

नुआखाई महोत्सव में प्रदेश भर के कलाकारों ने बिखेरी छटा, चीरहरण नृत्य के लिए काव्या को प्रथम पुरस्कार

नई दृष्टिबिंदु / मिलाई

अखिल भारतीय उड़िया समाज द्वारा रविवार को सार्विक संस्तर स्थित कला मंदिर में नुआखाई महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। प्रदेश अस्थायी जेएस तांडी के नेतृत्व और महासचिव तरुण निहाल के संयोजन में आयोजित प्रदेश स्तरीय नृत्य प्रतिस्पर्धा में छत्तीसगढ़- ओडिशा का संस्कृति का संगम देखने को मिला।

महोत्सव में मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल और अस्थायी पुर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने की। अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में श्रम कल्याण मंडल उपाध्यक्ष किशोर महानंद, मिलाई कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, श्रीराम जन्मोत्सव समिति युवा विंग अध्यक्ष संतोष पांडेय, सर्वसमाज कल्याण समिति उपाध्यक्ष जोगराज, हिसाली महापौर शशि सिन्हा सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान जन्मोत्सव के तैल चित्र पर दीप



प्रबलन से हुई।

काव्या ने जीता दिल, मिले 15 हजार :
प्रतिस्पर्धा में रायपुर, दुर्ग, राजनंदगांव, जोगराई, अहिरा, सुपेला, जशपुर, कसिंगा, बिलासपुर, बस्तर, जगदलपुर, कोरबा, रायगढ़, महासमुद्र,

सरायपाली, नागपुर, उड़ीसा समेत कई जगहों से कलाकार पहुंचे थे। ओडिशा से आई काव्या देवांगन ने चीरहरण नृत्य से सबका दिल जीतते हुए प्रथम पुरस्कार अपने नाम किया। उन्हें पारख ज्वेलर्स की ओर से 15 हजार रुपए नगद दिया गया।



द्वितीय पुरस्कार जगन्नाथ गुप्त को मां काली स्वरूप नृत्य के लिए 11 हजार और तृतीय पुरस्कार लोकधारा गुप्त को 7 हजार रुपए मिला। इसके अलावा दिव्यांशी, अश्विनी, नम्रता, विनय गायकवाड़, हर्षिता, ईशिका, मुस्कान, मयंक,

हर्षल, अंचल साहू, अमिता गुप्त सहित अन्य को सात्वना पुरस्कार दिया गया।
अतिथियों ने दो एकजुटता की सीख : सांसद विजय बघेल ने कहा कि उड़िया समाज के लोग सरल, भावुक और मेहनती होते हैं। समाज को

एकजुट रखना बड़ी बात है। नुआखाई उड़ीसा का प्रमुख पर्व है। पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि एबीएसए का प्रयास सराहनीय है, ऐसे आयोजनों से समाज में एकता दिखती है।

मां काली और चीरहरण ने बांधा गंधा : रायपुर के जगन्नाथ गुप्त के मां काली नृत्य और काव्या के चीरहरण पर कला मंदिर तालियों की गड़गड़ाहट से गुंज उठा। छत्तीसगढ़ी गीतों पर भी कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर कोषाध्यक्ष दीनबंधु तांडी, संरक्षक कृष्णा सोना, संजय सोनवार, उपाध्यक्ष कैलाश तांडी, दुर्ग जिला अध्यक्ष अजय कुमार सुहा, महिला विंग अध्यक्ष जयंती महानंद, महामंत्री मां हारपाल, मनोज गुप्ता, मिलाई शहर अध्यक्ष धीरू नायक, राम भजन विभार, सदीपा तांडी, अर्जुन महानंद, कविता तांडी, दिवदु तांडी, सुभद्रा सेठिया, धरम हरपाल, प्रीतम हरपाल, सुमित्र सोना, उदेश बाग, जगन्नाथ जाल सहित समाज के पदाधिकारी मौजूद थे।

व्यापारी बोले- दिवाली बाद करो रेली, राहुल बोले- पीएम सीईसी को हटाएं, 30 सेकंड में प्रदर्शन रुकेगा



नई दृष्टिबिंदु / नई दिल्ली

एसआईआर और सीईसी के इस्तीफे को लेकर कांग्रेस की 1 नवंबर को रामलीला मैदान में होने वाली रैली का व्यापारियों ने विरोध किया। सोमवार को कश्मीरी गेट पर प्रदर्शन कर मांग की कि रैली दिवाली के बाद की जाए। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष बुजेश गोयल ने कहा कि मैदान की क्षमता 50 हजार है, जबकि 10 लाख लोगों के जुटने का दावा है, इससे 5 किमी दायरे के 20 से अधिक थोक व्यापार प्रभावित होंगे। इस पर कांसि नेता राहुल गांधी ने व्यापारियों से कहा कि पीएम मोदी से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए कहें, प्रदर्शन 30 सेकंड में रुक जाएगा। राहुल ने लिखा- मेट्रो सरकार ने बंद की, सड़कें सरकार ने नहीं की, राजधानी पर ताला सरकार ने लगाया। जब

रायपुर और दुर्ग में ईडी की बड़ी कार्रवाई, कारोबारी नितिन डागा और ट्रांसपोर्ट गुलशन बघेल के ठिकानों पर छापा

रायपुर-दुर्ग। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राजधानी रायपुर और दुर्ग में एक साथ छापेमारी की है। रायपुर के पंडरी इलाके के रीहामन स्थित सुशील विला में कारोबारी नितिन डागा के घर और दुर्ग में खववासी व ट्रांसपोर्ट गुलशन बघेल के घर पर एकदो टीम ने दबिश दी है। रायपुर में दो टोपियों में 10 से ज्यादा अधिकारी सुबह से नितिन डागा के घर दस्ताखत खोल रहे हैं। वहीं दुर्ग में प्रथम ग्रीन सिटी की सातवीं मंजिल स्थित फ्लैट में गुलशन बघेल के यहां दो गाड़ियों में 6 अधिकारी पहुंचे हैं। गुलशन के नाम पर बघेल की कंपनी प्राइवेट लिमिटेड और वह ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से भी जुड़े हैं। दोनों ठिकानों पर अहम दस्तावेजों की जांच और फूलाटा जा रही है।

मंत्रियों की क्लास, अफसरों पर वसूली का आरोप : स्मृति बोलीं- सुधर जाओ, वरना 2028 में भुगतेंगे

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर। छत्तीसगढ़ भाजपा की नई प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी ने दो दिवसीय दौरे के अंतिम दिन सोमवार को कुमभारगढ़ ठाकुर परिसर में सभा और संगठन को क्लास दी। उन्होंने विधायकों, सांसदों, मंत्रियों और कोर ग्रुप के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। बैठक में सोमप विष्णुदेव साय, प्रदेश अध्यक्ष किरण देव और संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह मौजूद रहे।

सांसदों ने स्मृति के सामने मंत्रियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। आरोप लगाया कि मंत्री सिपाहरों नहीं सुनते, अफसर सिर्फ पैसे कमाने में जुटे हैं। एक सांसद ने कहा- कार्यकर्ता कहते हैं आप सिर्फ पत्र लिख देंगे, काम हम करवा देंगे। हमारा काम नहीं होता, वहीं काम दूसरे करते से हो जाता है। यहां तक कहा कि केंद्रीय राज्य मंत्री और प्रदेश अध्यक्ष तक को नहीं सुनी जाती। इस पर स्मृति ने सीएसए और दोनों डिप्टी सीएसए अग्रवाल और विजय शर्मा को बुलाकर सबके सामने शिकायतें सुनीं।

पूर्व सांसद गांविक मिश्र ने भी बैठी के दाईं साते से ट्रांसफर न होने का आरोप लगाया कि बी। स्मृति ने कहा- को बताया तो साथ ने रातोरात फाइल खोजवाकर ट्रांसफर ऑर्डर जारी कर दिया।



बीजेपी प्रदेश कार्यालय में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मौजूदगी में स्मृति ईरानी ने ली बैठक

भाजपा छत्तीसगढ़ प्रदेश कार्यालय में मन्त्रीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में सम्मानित जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। बैठक भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी श्रीमती स्मृति ईरानी ने ली। इस दौरान संगठनात्मक गतिविधियों और जनप्रतिनिधियों के समन्वय को लेकर चर्चा की गई। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री एवं प्रदेश सह-प्रभारी सिद्धार्थ शंभू, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

स्मृति रिपोर्ट कार्ड लेकर पहुंची थीं। सबसे ज्यादा शिकायतें देनालदास बघेल को लेकर थीं, उन्होंने कहा- विभाग में आपकी मौजूदगी तो दिखनी चाहिए। टेंकरम प्रभात, श्याम बिहारी जायसवाल को काम सुधारने और

शिखा मंत्री गजेंद्र यादव से फजी ट्रांसफर पर सवाल किया। उन्होंने चेतावनी दी कि जो मंत्री प्रभारी जिलों में नहीं जाते उनसे प्रभार छीन लेना चाहिए, यही हला रहा तो 2028 में मुश्किल होगी।

भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति ईरानी ने निगम-मंडल अध्यक्षों के साथ की बैठक

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय महामंत्री एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी श्रीमती स्मृति ईरानी ने छत्तीसगढ़ में भाजपा के निगम, मंडल, आयोग एवं बोर्ड के अध्यक्षों व उपाध्यक्षों के साथ बैठक की। बैठक में संगठनात्मक समन्वय, जनकल्याणकारी कार्यों तथा सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान प्रदेश में चल रहे विकास कार्यों और संगठन को और अधिक मजबूत करने को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।



पिकअप के सीक्रेट चैंबर में 4 करोड़ का काला खेल मनी लॉन्ड्रिंग, हवाला और चुनावी फंडिंग तक जुड़े तार, पुलिस-आयकर विभाग की संयुक्त जांच शुरू

खुसीपार में पकड़ी गई बोलेरो पिकअप से बड़े सिंडिकेट का पदाफाश, भनपुरी के ट्रांसपोर्टर से नागपुर-मुंबई-दिल्ली के रास्ते विदेश तक मनी ट्रेल की आशंका

नई दृष्टिबिंदु / मिलाई-दुर्ग

दुर्ग जिले में रविवार देर रात NH-53 पर डबरापारा में खुसीपार पुलिस को मिली 4 करोड़ की बरामदगी ने सिर्फ एक केश जघ्नी नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ सरकार मनी लॉन्ड्रिंग के बड़े सिंडिकेट की पर्ते खोल दी हैं। सफेद बोलेरो में सैस पिकअप क्रमांक CG 04 QU 5996 में लौहे की चारों के बीच बेल्टिंग कर बनाया गया सीक्रेट चैंबर, उसमें 500-500 के नोटों की गड़ियां और कुरियर बैग के नाम पर चल रहा काला कारोबार - पुलिस जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, मामला हवाला, मनी लॉन्ड्रिंग और आगामी नगरीय निकाय चुनाव में फंडिंग तक पहुंच कर रहा है।

कैसे पकड़ी गई गाड़ी?

डीआईजी व एसएसपी विजय अग्रवाल ने अनुसूचक मुखबिर से पुछा सुचना मिली थी कि रायपुर के भनपुरी स्थित जीडी ट्रांसपोर्ट से भारी मात्रा में बेहिसाब नकदी लेकर एक सफेद पिकअप नागपुर की ओर जा रही है। इस पर खुसीपार पुलिस ने रात करीब 11 बजे डबरा पारा तिराहे पर नाकेबंदी की। कुम्हारी और पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र को पार कर चुकी गाड़ी को रोकता गया। पहली नजर में गाड़ी खाली लग्यो, लेकिन पिछला हिस्सा मोडिफाई कर पूरी तरह बंद था। गहन तलाशी में गुप्त चैंबर मिला, जिसमें से 4 करोड़ नकद बरामद हुआ।

पकड़े गए दोनों सिर्फ कुरियर बॉय

गाड़ी में सवार दो लोगों को पहचान भवेशभाई जीनाभाई डाभी (झावर) और विष्णुदेव दुबे के रूप में हुई है। पुलिस प्रहताछ में बड़ा खुलासा



हुआ है - दोनों सिर्फ कुरियर बॉय हैं। उन्हें पता ही नहीं था कि केश का, किसे देना है। उनका काम सिर्फ गाड़ी को नागपुर पहुंचाना था, जहां से दूसरा झाड़वर इसे गुजरात या मुंबई ले जाता। पुलिस के सामने विष्णुदेव ने कभी खुद को ट्रांसपोर्टर बताकर यह रकम ट्रांसपोर्ट का कच्चा पैसा बताया, तो कभी बयान बदला कि इसे उत्तर प्रदेश ले जाना था। विरोधाभासी बयानों ने शक गहरा दिया है।

एडिशनल एसपी शोभराज अग्रवाल ने कहा - "विष्णुदेव दुबे रकम और वाहन दोनों को अपना बता रहा है। लेकिन दस्तावेज नहीं है पा रहा। मामले को सुचना आयकर विभाग को दे दी गई है। वास्तविक स्रोत की जांच बही करेगा।"

मनी लॉन्ड्रिंग का नया तरीका: कुरियर वैन

पुलिस जांच में सबसे गंभीर बात यह सामने आई है कि आरोपी ने बताया छत्तीसगढ़ में ऐसी छिपावठे वैन चल रही हैं जो कुरियर के नाम पर मनी लॉन्ड्रिंग में इस्तेमाल हो रही हैं। मुख्तार और कुरियर वाहनों की पुलिस आयकर पर कब्जा रोकती है, इसी छूट का फायदा उठाकर ब्लैक मनी को एक शहर से दूसरे शहर ले जाया जा रहा है। मुंबई और दिल्ली के रास्ते इसे विदेशों तक पहुंचाने का नेटवर्क भी शक के दायरे में है।

अब दुर्ग पुलिस ने भिलाई-दुर्ग से गुजरने वाले सभी कुरियर वाहनों, उनके मालिकों, दस्तावेजों और संचालकों की जांच शुरू कर दी है। कई मामलों में कुरियर कंपनियों के झाड़वर, लॉजिस्टिक स्टॉफ और सुरक्षा गार्ड लालच में

तीन एंगल पर जांच

हवाला और वित्तीय अपराध: आयकर विभाग को सुचना भेज दी गई है। रकम के स्रोत, भेजने वाले और पाने वाले की तलाश शुरू। श्विद दस्तावेज के इतनी बड़ी नकदी वित्तीय अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग की श्रेणी में आती है।

चुनावी फंडिंग: भिलाई-वरिष्ठ और रिसाली नगरीय निकाय चुनाव नजदीक हैं। पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि कहीं यह रकम चुनाव में खपने तो नहीं ले जाई जा रही है।

ये थाना पार कैसे हुई: पिकअप कुम्हारी और पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र से बिना रिकॉर्ड के निकल गई। सुरक्षा में वृक्ष पर भी सवाल उठ रहे हैं।

आकर हवाला सिंडिकेट का हिस्सा बन जाते हैं। एसएसपी विजय अग्रवाल ने कहा - "वाहन के गुप्त चैंबर से केश मिला है। सुचना पर कार्रवाई की गई है। हर पहलू की जांच की जा रही है। फजी बिलिंग, सेल कंपनियों और फजी बिल बनाकर काले धन को सफेद दिखाने का एंगल भी है।"

पहले भी मिल चुके हैं करोड़ों

यह पहला मामला नहीं है। 120 सितंबर 2025 को कुम्हारी में महाराष्ट्र पांसिंग दे स्कॉर्पियो से 6.60 करोड़ और 12 नवंबर 2025 को बालोद के पकड़ीभाट में एक कार से 3 करोड़ बरामद हुए थे। हर बार तरीका एक ही - गाड़ी में गुप्त जगह बनाकर केश छिपाना।

पुलिस का दावा है कि इस बार सीक्रेट चैंबर बनाने वाले फेब्रिकेटर तक पहुंचा जाएगा और पूरे नेटवर्क का पताफास किया जाएगा।

अंबिकापुर से रायपुर आ रही बस खड़े ट्रक से टकराई, 5 की मौत, 14 घायल



नई दृष्टिबिंदु / सिमगा-बलीबाजार

नेशनल हाईवे-130 पर सोमवार तड़के सड़क किनारे खड़े ट्रक से यात्री बस के टकरा कर बस में बड़ा हादसा हो गया। हादसे में झाड़वर-आर समीप मोहम्मद की मौत पर ही मौत हो गई। गंभीर घायल अनुल और सुंदरलाल ने रायपुर ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि आई यात्री बस में फंस गए, जिन्हें गैस कटर से काटकर निकाला गया।

पुलिस के मुताबिक रायल कंपनी की बस क्रमांक सीजी 04 एनएम 0859 अंबिकापुर से रायपुर आ रही थी, जिसमें 22 यात्री सवार थे। सुबह करीब 5:30 बजे सिमगा के पास रायपुर दरचुरा से पहले इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के नजदीक सड़क पर खराब खड़ा ट्रक क्रमांक सीजी 07 बीएल 4370 में बस पीछे से जा चुकी। बताया जा रहा है कि झाड़वर के पास घायल हुए थे।

सीएम निवास में कैबिनेट बैठक शुरू



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज सिविल लाइन स्थित मुख्यमंत्री निवास में मंत्री परिषद की बैठक प्रारंभ हो गई

है। बैठक में आगामी धान खरीदी, नगरीय निकाय अनुदान की तैयारियों और कानून व्यवस्था समेत कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा संभावित है। बैठक समाप्त होने के बाद लिफ्ट गए फैसलों की जानकारी दी जाएगी।

सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

आपके विश्वास और थार से

नई उड़ाण...

हमारे साथ सभी को

YouTube

7.5K+ SUBSCRIBERS

7.2 MILLION+ VIEWS

Instagram

12K+ FOLLOWERS

CRORES+ VIEWS

Facebook

8K+ FOLLOWERS

MILLIONS+ VIEWS

आपका ध्यान और समायोजन ही हमारी सबसे बड़ी मुक्ति है।

हम देखें, सराई और

SUBSCRIBE / FOLLOW

आपका एक SUBSCRIBE / FOLLOW हमारा निकाय और थार से नई उड़ाण और हमें देता है और बेहतर करने की ताकत।

हमारा वकसद सिर्फ खबर नहीं, बदलाव लाना है।

जुड़े रहिए... नई दृष्टि बिंदु News के साथ

मन की बात युवाओं के साथ का आयोजन, डॉ. सरोज पांडेय ने युवाओं को दिया राष्ट्र निर्माण का संदेश

रूंगटा कॉलेज में भाजयुमो जिला अध्यक्ष सौरभ जायसवाल के नेतृत्व में हुआ आयोजन, शिक्षा, नवाचार, कोशल विकास और सामाजिक दायित्वों पर युवाओं से किया संवाद

नई दृष्टिविंदु / भिलाई

भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला भिलाई के अध्यक्ष सौरभ जायसवाल के नेतृत्व में रविवार को रूंगटा कॉलेज में मन की बात युवाओं के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा की पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सरोज पांडेय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका, शिक्षा, तकनीकी विकास, नवाचार, सामाजिक सहभागिता और बदलते दौर में अवसरों पर विचार रखे।

युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूँजी : डॉ. सरोज पांडेय

डॉ. पांडेय ने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति और प्रगति के प्रमुख आधार होते हैं। युवाओं की ऊर्जा, विचार, रचनात्मकता और कार्यक्षमता देश के भविष्य को आकार देती है। भारत के युवाओं में प्रतिभा की



कमी नहीं है, जरूरत अपनी क्षमताओं को पहचानने और व्यक्तित्व सफलता के साथ समाज व राष्ट्र के विकास में योगदान देने की है। उन्होंने कहा कि यह तेजी से बदलती तकनीक और बढ़ती

प्रतिस्पर्धा का दौर है। युवाओं को कितनी ज्ञान के साथ व्यावहारिक शिक्षा, कोशल विकास और आधुनिक तकनीकों पर भी ध्यान देना चाहिए। निरंतर सीखने की प्रवृत्ति, अनुशासन, परिश्रम और आत्मविश्वास से नए अवसर बनते हैं। युवनीतियों से धरने के बजाय उनका सामना करना और असफलता से सीखना जरूरी है।

राष्ट्र निर्माण के लिए सरकार का दायित्व नहीं, इसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। युवा सरकारत्व सोच और सामाजिक सहभागिता से बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से भारतीय संस्कृति, परंपराओं और संवैधानिक मूल्यों का सम्मान करते हुए देश की प्रगति में भूमिका निभाने का आह्वान किया।

युवाओं के विचारों को मंच देना कार्यक्रम का उद्देश्य:

सौरभ जायसवाल

भाजयुमो जिला अध्यक्ष सौरभ जायसवाल ने कहा कि

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं के विचारों, अपेक्षाओं और सुझावों को सुनना और उन्हें सार्थक मंच देना है। ऐसे कार्यक्रम युवाओं को अनुभवी व्यक्तित्वों से मार्गदर्शन, समस्याविक वषणों पर विचार साझा करने और राष्ट्रीय दायित्वों को समझने का अवसर देते हैं।

इस अवसर पर दुर्ग जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, रूंगटा कलिय प्रबंधक संतोष रूंगटा, कन्हैया सोनी, प्रवक्ता प्रेम लाल साहू, सह मीडिया प्रभारी सुरज मुख्यालय, महिला मोर्चा अध्यक्ष स्वीटी कौशिक, पार्षद नोहर वर्मा, कापीलुदीन, विशालदीप नायर, अमित राजपूत, प्रवीण यादव, शुभम अनुराग मार्केडेंड, विवेक जायसवाल, अर्पित तिवारी, रवि राय, ऋतुजाना, हिमांशु सिंह, सुयंकांत, हिमांशु एवं अनुपम सहित भाजयुमो पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

खास खबर

सूर्या मॉल के पास नो पार्किंग में खड़े 172 वाहनों पर यातायात पुलिस की कार्रवाई



वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के निर्देश पर यातायात पुलिस द्वारा सड़क बाधित करने वाले वाहनों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को सूर्या मॉल के आसपास नो पार्किंग में खड़े 172 वाहनों के विरुद्ध ई-चालान की कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार चार पहिया वाहनों पर मोटरयान अधिनियम के तहत ई-चालान किया गया, जबकि नो पार्किंग में खड़े दोपहिया वाहनों को फ्रेन से हटाकर यातायात कार्यालय लाया गया और नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

यातायात पुलिस ने बताया कि शहर में सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए नो पार्किंग के विरुद्ध यह अभियान लगातार जारी रहेगा। वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़ा करें और नो पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़ा कर यातायात बाधित न करें। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

भाजयुमो भिलाई ने "लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ" अभियान के लिए जिला टोली गठित की

भिलाई - भारतीय जनता युवा मोर्चा, जिला भिलाई द्वारा भाजपा प्रदेश संघटन एवं अभियान के निर्देशानुसार 22 अक्टूबर से 5 नवंबर 2026 तक चलने वाले "लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ" अभियान के तहत जिला टोली का गठन किया गया है।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष सौरभ जायसवाल द्वारा जारी आदेश के अनुसार भाजपा जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन के मार्गदर्शन एवं भाजयुमो जिला प्रभारी दीक्षा अग्रवाल की सहमति से यह नियुक्तियों की गई हैं। अभियान के तहत होने वाले युवा संवाद एवं छात्रों की प्रतिस्पर्धा हेतु जिला स्तर पर संयोजक एवं सदस्यों की नियुक्त किया गया है। जिसमें :- जिला टोली - लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ (युवा संवाद) - संयोजक: अखिलेश सिंह, जिला उपाध्यक्ष भाजयुमो - 7470498898, सदस्य: वेद साहू, जिला मंत्री भाजयुमो - 9907970893, सदस्य: पिंडू जॉल, जिला मंत्री भाजयुमो - 6264401247, सदस्य: रतन शर्मा, जिला मंत्री भाजयुमो - 7389795051 एवं नियुक्त राकल प्रभावशील होगी।

राजनीतिक विरोध अपनी जगह, लेकिन प्रधानमंत्री के पिता पर टिप्पणी अनुचित; युवा पीढ़ी ऐसी भाषा स्वीकार नहीं करती - मनीष पाण्डेय

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं श्रीराम जन्मोत्सव समिति युवा विंग के अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उनके पिता को लेकर की गई कथित टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरोध के नाम पर किसी के माता-पिता और परिवार को निशाना बनाना भारतीय संस्कृति और सार्वजनिक जीवन की मर्यादाओं के विपरीत है। मनीष पाण्डेय ने कहा कि लोकतंत्र में विचारों की लड़ाई होती चाहिए, व्यक्तिगत और पारिवारिक टिप्पणियों की नहीं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष जैसे वरिष्ठ पद पर बैठे व्यक्ति से देश की युवा पीढ़ी जिम्मेदार भाषा और सार्वजनिक राजनीतिक संवाद की अपेक्षा करती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निष्पक्ष, योजनाओं और नीतियों पर कांग्रेस सवाल उठाए, यह उसका लोकतांत्रिक अधिकार है। लेकिन राजनीतिक असहमति को परिवार तक ले जाना किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता।

जनदर्शन में नागरिकों की समस्याओं से रुबरु हुई निगम आयुक्त, शीघ्र निराकरण के दिए गए निर्देश

नई दृष्टिविंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से निगम मुख्य कार्यालय के सभागार में जनदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जनदर्शन में निगम आयुक्त सुरेश सिंह एवं उपायुक्त नरेंद्र कुमार बंजारे की उपस्थिति में विभिन्न वार्डों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। निगम आयुक्त ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना और प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार शीघ्र निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

'पटनवीर' बच्चों का सम्मान कर प्राचार्य ने खुशियां बांटी जीवन के नए पड़ाव की

डाइट प्राचार्य मरकले के सम्मान में गरिमामयी विदाई एवं अभिनंदन समारोह का हुआ आयोजन



नई दृष्टिविंदु / भिलाई

जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के प्राचार्य पी.सी. मरकले को शासकीय सेवा के पूर्ण होने और सेवानिवृत्ति के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन स्थानीय स्तर पर किया गया। इस दौरान उपस्थित विशिष्ट वक्ताओं ने श्री मरकले के उत्कृष्ट प्रशासनिक कार्यों, शैक्षिक नवाचारों और नेतृत्व क्षमता की सराहना की।

महत्वाकांक्षी नवाचार 'पटनवीर' के विजेताओं से संवाद, किया सम्मान

समारोह का एक मुख्य आकर्षण प्राचार्य मरकले की देखरेख में शुरू किया गया महत्वाकांक्षी नवाचार 'पटनवीर' रहा, जो मुख्य रूप से अंग्रेजी भाषा के पठन कौशल पर आधारित था। इसकी जिला स्तरीय प्रतियोगिता 14 अक्टूबर को संपन्न हुई थी। इस अवसर पर प्रतिभागिता के विजेता विद्यार्थियों को मंच पर आमंत्रित किया गया, जिन्होंने बेदाकी से पढ़े गए प्रश्नों के उत्तर दिए और अपने अनुभव साझा किए। जानकारी दी गई कि 'पटनवीर' अभियान में न केवल अंग्रेजी पठन कौशल का विकास शामिल था, बल्कि तार्किक क्षमता (मैथ्स लॉजिक), त्वरित गणना और सामान्य ज्ञान पर आधारित प्रश्न मंच (क्विज) भी इसका हिस्सा था। इस दौरान प्राचार्य मरकले ने इन बच्चों को सम्मानित करते हुए अपने जीवन के नए पड़ाव की खुशियां परिजनों और अति विशिष्ट अतिथियों के साथ बांटी।

विभिन्न जिलों से पहुंचे शिक्षा जगत के दिग्गज

इस विशेष अवसर पर श्री मरकले के सेवाकाल से जुड़े बिलासपुर, कांकेर, राजनांदगांव और दुर्ग सहित अन्य जिलों से विभिन्न जिलों से उपस्थित रहे। इनमें संयुक्त संचालक के.के. राव, जिला शिक्षा अधिकारी एस.के. धीर, बेमरगा के जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल, सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक आर.आर.एल. ठाकुर, डाइट की पूर्व प्राचार्य, श्रीमती पंशोने, डॉ. रजनी नेल्सन, सहायक संचालक डॉ. पुष्पा पुरुषोत्तम और नोडल ऑफिसर सच्येंद्र शर्मा सहित कई प्रमुख अधिकारियों ने प्राचार्य मरकले के व्यक्तित्व और उनके कृतित्व पर विस्तार से प्रशंसा डाली। समारोह के दौरान वक्ताओं ने बताया कि पी.सी. मरकले ने अपने दृढ़निश्चय और संकल्प शक्ति से संस्थान की गरिमा और गौरव को काफ़ी ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। डाइट में कार्यभार

भिलाई नगर निगम चुनाव की तैयारियों को लेकर पश्चिम मंडल की बैठक, संगठनात्मक रणनीति पर हुई चर्चा



नई दृष्टिविंदु / भिलाई

नगर निगम के आगामी चुनाव की तैयारियों एवं संगठनात्मक रणनीति को लेकर भाजपा पश्चिम मंडल की महत्वपूर्ण बैठक महाराणा प्रताप भवन, सेक्टर-07 में आयोजित की गई।



चुनाव सहप्रभारी संजय दानी, संगठन मंडल प्रभारी चंद्रकांत मांडले, वरिष्ठ भाजपा नेता रामकुमार गुप्ता और पूर्व प्रदेश कार्यकारणी सदस्य भाजयुमो मनीष पांडे उपस्थित रहे।

बैठक में मंडल के समस्त पदाधिकारी, मोर्चा अध्यक्ष, महामंत्री, प्रकोष्ठ संयोजक, सह-संयोजक, शक्ति केंद्र प्रभारी, संयोजक, सह-संयोजक और युवों के बोर्गलै-2 उपस्थित रहे। बैठक में नागरिक विकास-चुन की तैयारियों, मतदाता पुनरीक्षण, युव समिति गठन सहित विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने, मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, उद्दिष्टपूर्ण नामों में सुधार और नियमानुसार नाम विलोपित कराने से संबंधित जानकारी पर-पर तक पहुंचाने पर जोर दिया गया।

बैठक में भिलाई नगर विधानसभा चुनाव मंडल प्रभारी इंद्रजीत सिंह खालसा, मंडल

कचरे से चारकोल बनाएगा भिलाई नगर निगम, 200 करोड़ की योजना, प्रदेश में पहला होगा पीपीपी मॉडल

नई दृष्टिविंदु / भिलाई

नाली, स्ट्रीट लाइट सहित अन्य मांगों एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन दिए। निगम आयुक्त ने कहा कि नगर निगम का प्रमुख उद्देश्य नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना और उनको समस्याओं का समयबद्ध निराकरण करना है। जनदर्शन के माध्यम से नागरिकों की प्रशंसा के समक्ष अपनी समस्याएं रख सकते हैं, जिससे निराकरण की प्रक्रिया को गति मिलती है।

उपायुक्त नरेंद्र कुमार बंजारे की उपस्थिति में प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों को निराकरण हेतु प्रेषित किया गया। निगम प्रशासन द्वारा प्रत्येक सोमवार को जनदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

शहर में कचरे के पहाड़ और निपटारे की समस्या को खत्म करने के लिए नगर निगम भिलाई कचरे से चारकोल बनाने का प्लांट लगाने की तैयारी कर रहा है। यह प्रदेश का पहला निगम होगा जो वेस्ट टू वेथिंग नीति के तहत पीपीपी मॉड पर इस तरह का प्लांट लगाएगा।

इस प्लांट में सिर्फ सूखा ही नहीं, बल्कि गीला कचरा, नालियों की सिल्ट और प्लास्टर सहित हर तरह का कचरा प्रोसेस किया जा सकेगा। वाणस्जी और भीषाल की तंत्र पर इस प्रोजेक्ट को एंटीपीपीसी जैसे बड़े संस्थानों के साथ मिलकर शुरू किया जाएगा।

निगम आयुक्त सुरेश सिंह ने बताया कि प्लांट के लिए 10 से 15 एकड़ जमीन की जरूरत है, जो जामुल रैंजिंग ग्राउंड क्षेत्र में उपलब्ध है। भीषाल में 220 करोड़ की लागत से रोजाना 400 टन कचरा प्रोसेस करने वाला चारकोल प्लांट लगा है, उसी तंत्र पर भिलाई में भी 400 टन क्षमता का प्लांट प्रस्तावित है, जिसका अनुमानित वजेट 200 करोड़ रुपये है। यहां शहर चारकोल का उपयोग थर्मल पावर प्लांटों में बिजली उत्पादन और औद्योगिक इकाइयों



में किया जाएगा। हाल ही में रायपुर में नगरीय प्रशासन मंत्री और अधिकारियों की बैठक में इस प्रोजेक्ट पर चर्चा के बाद मौखिक स्वीकृति मिल चुकी है। अब निगम के इंजीनियर टीमीआर तैयार कर रहे हैं, जिसे जल्द शासन को भेजा जाएगा।

7 निकायों को मिलेगा फायदा

प्लांट शुरू होने से भिलाई के साथ दुर्ग, रिसाली, भिलाई-3 चरोदा, जामुल और कुम्हारी समेत 7 निकायों को कचरे से मुक्ति मिलेगी। इन निकायों से रोजाना करीब 500 टन कचरा निकलता है, जिसमें 300 टन गीला और 200 टन सूखा कचरा शामिल है।

लक्ष्य प्राप्ति के लिए शिक्षा सबसे बड़ा माध्यम, अपने आइडिया को स्टार्टअप में बदलें – राज्यपाल डेका

आईटीएम विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह में नवाचार, उद्यमिता और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण पर राज्यपाल ने दिया गया जोर

नई दृष्टिविंदू / रायपुर

राज्यपाल रमेश डेका ने युवाओं से अपने नए विचारों को स्टार्टअप में बदलने, नवाचार को अपनाने और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए शिक्षा सबसे बड़ा माध्यम है और युवाओं के विचार देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकते हैं। स्टार्टअप को संभालनाएं अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि छोटे शहरों और गांवों में भी नए उद्यम आसानी से ले रहे हैं। युवाओं को इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी पहचान स्वयं बनानी चाहिए।

राज्यपाल रमेश डेका आईटीएम विश्वविद्यालय, रायपुर के 11वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में 16 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक, चार शोचार्थियों को पीएचडी तथा 464 विद्यार्थियों को स्नातक और



स्नातकोत्तर की उपाधियों प्रदान की गई। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्टार्टअप और उद्यमिता के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। युवा अपने विचारों को व्यावहारिक

रचनात्मकता के बल पर रोजगार सृजन की दिशा में भी आगे बढ़ें। अपने आइडिया को स्टार्टअप में बदलें, अपनी जगह स्वयं बनाएं और सफलता के बाद समाज को न भूलें। उन्होंने कहा कि समाज ने प्रत्येक व्यक्ति को बहुत कुछ दिया है, इसलिए समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव हमेशा बना रहना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के जीवन की एक पारी के समापन और दूसरी पारी की शुरुआत का प्रतीक है। आगे का जीवन चुनौतियों और संघर्षों से भरा हो सकता है, लेकिन मेहनत, धैर्य और आत्मविश्वास से उनका सामना किया जा सकता है। विद्यार्थियों को अपनी रूचि के क्षेत्र में करियर बनाना चाहिए, जिससे उन्हें संतुष्टि मिले और वे फलदायी हों।

उन्होंने कहा कि डिग्री केवल एक प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि अंतर्गत ज्ञान और कोशल के माध्यम से परिवार, समाज और देश के प्रति दायित्व निभाने का अवसर है। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी पाना

नहीं, बल्कि सही-गलत का विवेक विकसित करना और जिम्मेदार नागरिक बनना भी है। युवाओं को डिग्री को अंतिम मंजिल नहीं मानना चाहिए, बल्कि निरंतर सीखने और नए प्रयोग करने की प्रवृत्ति बनाना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि आज के विद्यार्थी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मोबाइल के युग में आगे बढ़ रहे हैं। इन तकनीकों के पीछे भी मानवीय बुद्धि का योगदान है। उन्होंने डिजिटल ललत और नए नशे की बड़ती प्रवृत्ति से युवाओं को दूर रहने की सलाह दी।

जल्द से जल्द नवाचार को उपयोग करने तथा परिवार, मित्रों और समाज के साथ संवाद बनाए रखने पर जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि शांति और सुरक्षा से विकास की गति मिलती है। उन्होंने छात्रावास में नक्सलवाद के प्रभाव में कमी के बाद बने विकास के उत्सवों तथा बस्तर में आजीविका के क्षेत्र में हो रहे प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने राज्य के प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन स्थलों के

विकास की आवश्यकता भी बताई। अपने संबोधन में उन्होंने युवाओं से बड़े सपने देखने, उन्हें साकार करने के लिए कड़ी मेहनत करने और असफलताओं से निराश हुए बिना नए प्रयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत और विकासित भारत के निर्माण में सभी का योगदान आवश्यक है। युवाओं को अपनी तत्कालीन स्थिति के प्रति जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए अपने ज्ञान और हुनर का उपयोग राष्ट्र के समग्र विकास के लिए करना चाहिए।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रामचंद्र जहंगीर ने स्वागत भाषण दिया। छात्रावास डॉ. निजी विश्वविद्यालय विधायक आयोग के अध्यक्ष वी. के. गोयल ने भी संबोधित किया। समारोह में हाई कोर्ट के पूर्व जज गौतम भादुड़ी, विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल एवं कार्य परिषद के सदस्य, प्राध्यापकगण, पालक तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

खास खबर

लोकभवन में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ, अधिकारियों और कर्मचारियों ने ली ईमानदारी और पारदर्शिता की शपथ



नई दृष्टिविंदू / रायपुर

लोकभवन में 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' की शुरुआत हो गई है। इस अवसर पर लोकभवन के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रशासनिक कार्यों में ईमानदारी, निष्ठा और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए शपथ ली। यह जागरूकता सप्ताह 26 अक्टूबर से 01 नवंबर 2026 तक मनाया जा रहा है।

सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी की दिशाई है शपथ: कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल की सख्त सुश्री निधि साह ने लोकभवन के अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी की शपथ दिशाई। सभी ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ करने का संकल्प लिया।

प्रवचनारंभ लोकभवन का बढ़ावा देना है उद्देश्य: सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाने का मुख्य उद्देश्य शासकीय कार्यों में पारदर्शिता को बढ़ाना, कार्यप्रणाली में निष्ठा सुनिश्चित करना और एक प्रश्नचक्र-युक्त प्रशासनिक व्यवस्था की नींव को मजबूत करना है। इस सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सतर्कता के प्रति जागरूकता फैलाई जाएगी।

अवैध धान की आवक और पुनर्विक्रय रोकने प्रशासन सख्त, व्यापारियों को दिए आवश्यक निर्देश



खैरगढ़: खरीद विभाग वर्ष 2026-27 के दौरान जिले में अवैध धान की आवक, परिवहन एवं पुनर्विक्रय पर प्रभावो को रोकने के उद्देश्य से कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल के निर्देशन में अपर कलेक्टर सुरेंद्र कुमार ठाकुर की अध्यक्षता में थोक एवं फुटकर मंडों अनुज्ञापिका व्यापारियों को महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी बनाए रखने तथा अवैध गतिविधियों पर सख्ती से अंकुश लगाने के निर्देश दिए गए। अपर कलेक्टर श्री ठाकुर ने कहा कि सौभाग्यवश राज्य में अवैध रूप से धान लाकर पंजीकृत किसानों के रकबे के माध्यम से उपाजिन केन्द्रों में खपाने के प्रयासों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने विचारित एवं कोषियों द्वारा चिल्लर में धान खरीदकर समर्थन मूल्य पर बेचने तथा मिलरों एवं परिवहनकर्ताओं द्वारा धान के पुनर्विक्रय की संभावित गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। व्यापारियों को धान की खरीदी-बिक्री, भंडारण एवं परिवहन से संबंधित अभिलेख व्यवस्थित रखने तथा शासन के निर्णयों का पालन करने को कहा गया।

अवैध धान की आवक एवं परिवहन रोकने के लिए राजस्व, खास, मंडी, सहकारिता, वन एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों को शामिल कर विशेष जांच दल गठित किए गए हैं। इसके साथ ही जिला स्तर पर जिला कलेक्टर एवं कमांड सेंटर को स्थापना की गई है, जिसके माध्यम से अवैध धान परिवहन की गतिविधियों की सतत निगरानी की जाएगी। विशेष जांच दलों द्वारा निमित्त निरीक्षण एवं जांच कर संचालित गतिविधियों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में स्पष्ट किया गया कि 15 नवंबर 2026 से 30 अप्रैल 2027 तक अन्य राज्यों से धान का आयात संचालक, खाद्य एवं स्वास्थ्य अधिकारियों की अनुमति से ही किया जा सकेगा। अपर कलेक्टर ने कहा कि वास्तविक किसानों को समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का लाभ दिनांक प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी व्यापारियों को शासन के दिशा-निर्देशों को पालन करने और प्रशासन को सहयोग देने की अपील की। साथ ही चेतावनी दी कि अवैध धान की खरीदी-बिक्री, भंडारण, परिवहन अथवा पुनर्विक्रय में संलिप्त पाए जाने पर अवैध धान के विक्रेता नियमानुसार कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जसकरण के गोलों के बावजूद बैलाडीला बुल्स जीत से दूर, संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने 5-5 से ड्रॉ कराया

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में रोमांचक मुकाबला, संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने हासिल किया पहला अंक

नई दृष्टिविंदू / रायपुर

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में आज खेले गए बेहद रोमांचक मुकाबले में संस्कारधानी स्ट्राइकर्स और बैलाडीला बुल्स के बीच मैच 5-5 से ड्रॉ रहा। बैलाडीला बुल्स के जसकरण सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अकेले पांच गोल दागे, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। वहीं, संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने जबरदस्त संघर्ष करते हुए मुकाबला बराबरी पर समाप्त किया और प्रतिनिधिता में अपना पहला अंक हासिल किया।

शमशेर और चिंगलसना सिंह के नेतृत्व वाली दोनों टीमों को टूर्नामेंट में अब भी अपनी पहली जीत का इंतजार है। यह मुकाबला रोमांचक उतार-चढ़ाव और खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के लिए यादगार बन गया। विधायक भरतलाल कोशिक, सराहने के हेड ऑफ ऑफिशर्स मनोज शाह और छत्तीसगढ़ जुड़ो संघ के अध्यक्ष अरुण दिवेदी भी इस रोमांचक मैच को देखने मौजूद थे।

मैच के दोनों हाफ में खेल का अलग-अलग रंग देवने को मिला। पहले हाफ में संस्कारधानी स्ट्राइकर्स का दबदबा रहा। आर्यन खेस और आशीष तानी पूरी शानदार गोल दागकर अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। लेकिन दूसरे हाफ में जसकरण सिंह ने अपने आक्रामक खेल से मुकाबले का रुख ही बदल दिया। उन्होंने दो पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलते हुए अपनी हेंडिक्यू पूरी की।

मुकाबले में लाम्हा हर पांच मिनट में खेल का रुख बदलता नजर आया। एक समय संस्कारधानी स्ट्राइकर्स की टीम बेहद मजबूत स्थिति में दिखाई दे रही थी और बैलाडीला बुल्स



का आक्रमण पूरी तरह बेअसर नजर आ रहा था। लेकिन कुछ ही देर में परिस्थितियां बदल गईं। स्ट्राइकर्स की रक्षापंक्ति टूटने में आई, जिसका फायदा उठाते हुए बुल्स ने लगातार दो गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया।

मैच समाप्त होने में केवल पांच मिनट शेष थे। लेकिन जसकरण सिंह ने एक बार फिर कमाल दिखाया। उन्होंने शानदार टॉमहॉक शॉट लगाकर अपना पांचवां गोल दागा और बैलाडीला बुल्स को 5-4 की बढ़त दिला दी।

हालांकि, संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने हार नहीं मानी। मैच समाप्त होने से महज दो मिनट पहले मिले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्ट्राइकर्स ने स्कोर 5-5 से बराबर कर दिया। इसके बाद निर्धारित समय तक कोई और गोल नहीं हुआ और मुकाबला डॉर पर समाप्त हुआ। दोनों टीमों के बीच अंत तक चले कुछ संघर्ष ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

इस ड्रॉ के बाद बैलाडीला बुल्स दो अंकों के साथ अग्रणी में चौथे स्थान पर बनी हुई है, जबकि संस्कारधानी स्ट्राइकर्स एक अंक के साथ पांचवें स्थान पर है। दोनों टीमों अब भी सेमीफाइनल की लड़ाई में बनी हुई हैं। पांच गोल दागकर शानदार प्रदर्शन करने वाले जसकरण सिंह को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

कभी कल्पना नहीं की थी कि अयोध्या और काशी के दर्शन कर पाऊंगा : मनोहर लाल साहू

नई दृष्टिविंदू / रायपुर

भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या और बाबा विष्णुनाथ की पवित्र नदी काशी के दर्शन करने की इच्छा हर ब्रह्मलोक के मन में होती है, लेकिन आर्थिक कठिनाइयों और अन्य परिस्थितियों के कारण अनेक लोगों का यह सपना अधूरा रह जाता है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल पर सरकार द्वारा संचालित श्री रामलाल अयोध्या धाम तीर्थ दर्शन योजना ऐसे ब्रह्मलुओं की बड़ी पुरानी मनोकामनाओं को साकार कर रही है।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ब्रह्मलुओं के लिए यह योजना धार्मिक आस्था के साथ खुशियों और अविस्मरणीय अनुभवों की सीमाएं लेकर आई है। योजना के अंतर्गत जिले के 30 ब्रह्मलुओं ने 21 से 24 अक्टूबर तक रात दिवसीय निःशुल्क तीर्थ यात्रा में अयोध्या स्थित भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर और काशी विष्णुनाथ धाम के दर्शन किए। भगवान श्रीराम और बाबा विष्णुनाथ के दर्शन कर तीर्थ दर्शन करने के दर्शन किए। भगवान श्रीराम और बाबा विष्णुनाथ के दर्शन कर तीर्थ दर्शन करने के दर्शन किए। भगवान श्रीराम और बाबा विष्णुनाथ के दर्शन कर तीर्थ दर्शन करने के दर्शन किए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल से ब्रह्मलुओं की मनोकामना हो रही पूरी



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम पवनी निवासी श्री मनोहर लाल साहू के लिए यह तीर्थ यात्रा किसी सपने के साकार होने से कम नहीं थी। उन्होंने भोगुल होकर बताया कि कभी सोचा भी नहीं था कि रेलगाड़ी से दूसरे राज्य जाकर भगवान श्रीराम और बाबा विष्णुनाथ के दर्शन करने का सौभाग्य मिलेगा। वर्षों से मन में संजोई इच्छा शासन की इस योजना से पूरी हो गई। यात्रा के दौरान आवागमन, भोजन और दर्शन की बेहतर व्यवस्था के कारण किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की निःशुल्क तीर्थ यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराकर उनके जैसे अनेक ब्रह्मलुओं को मनोकामना पूरी की है।

विना आर्थिक बोझ के पूरी हुई मन की मुराद: वृंदा यादव

सारंगढ़ निवासी श्रीमती वृंदा यादव के लिए यह यात्रा जीवन की अनमोल स्मृति बन गई। उन्होंने बताया कि अयोध्या में भगवान श्रीराम और काशी विष्णुनाथ के दर्शन करना उनके लिए अत्यंत सुख और अविस्मरणीय अनुभव रहा। यात्रा पूरी तरह निःशुल्क होने से उन्हें किसी प्रकार का आर्थिक बोझ नहीं उठाना पड़ा। परिवहन, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाओं की सुविधा व्यवस्था ने यात्रा को सहज और सुविधाजनक बनाया। श्रीमती यादव ने खुशी

व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की इस पहल से उनकी वर्षों पुरानी इच्छा पूरी हुई है।

330 ब्रह्मलुओं की मनोकामना हो रही पूरी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित इस योजना से अब तक सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के 330 से अधिक नागरिक लाभान्वित हो चुके हैं। विशेषकर वरिष्ठजन और आर्थिक कारणों से तीर्थ यात्रा नहीं कर पाने वाले ब्रह्मलुओं के लिए यह योजना वरदान साबित हो रही है। राज्य शासन और जिला प्रशासन के समन्वय से ब्रह्मलुओं को निःशुल्क परिवहन, भोजन और मंदिर दर्शन सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

उल्लेखनीय है कि इस चार दिवसीय तीर्थ यात्रा के लिए प्रत्येक 30 ब्रह्मलुओं को कलेक्टर एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने दूरी हांडी दिखाकर बिलासपुर रेलवे स्टेशन के लिए रवाना किया था। श्री रामलाल अयोध्या धाम तीर्थ दर्शन योजना केवल वार्षिक स्थलों के दर्शन कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ब्रह्मलुओं को आस्था का सम्मान करते हुए उनके जीवन में सुख अनुभूतियां जोड़ रही है।

राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष ने पद्मश्री धर्मपाल सैनी से की मुलाकात

नई दृष्टिविंदू / रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा ने बस्तर प्रवास के दौरान हिमरपाल स्थित माता रश्मिणी राज्यपाल संस्थान के संचालक पद्मश्री धर्मपाल सैनी से अतीव मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने आश्रम की संचालन व्यवस्थाओं, जनजातीय बच्चों की शिक्षा, खेल प्रतिभाओं के विकास, संस्थागत आवश्यकताओं तथा नवाचारों की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। उल्लेखनीय है कि माता रश्मिणी आश्रम वर्ष 1976 से बस्तर में बच्चों में शिक्षा, खेल और जनजातीय कल्याण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री मिश्रा को आश्रम की विभिन्न संस्थागत और संचालन संबंधी समस्याओं की जानकारी प्राप्त हुई थी। इन विषयों की गंभीरता से लेते हुए वे रायपुर से सैनी आश्रम पहुंचे और पद्मश्री धर्मपाल सैनी से चर्चा कर संस्था की वर्तमान परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। मुलाकात के दौरान आश्रम की कार्यकारी, सचिव पद के



प्रभार से जुड़े विषयों, आश्रम से संबद्ध विद्यार्थियों में शिक्षकों के रिक पदों तथा वित्त एवं शिक्षा विभाग से संबंधित लैंग्विज स्वीकृतियों के मामलों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। श्री मिश्रा ने कहा कि जनजातीय अंतर्गत में शिक्षा और प्रतिभा विकास के लिए कार्यरत संस्थाओं का सुचारु संचालन अत्यंत आवश्यक है। संस्थागत व्यवस्थाओं में आने वाली समस्याओं का नियमानुसार और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

श्री मिश्रा ने मौके पर उपस्थित स्थानीय अनुभागीय अधिकारी (राजस्व) सत्येन्द्र बंजारे तथा आदिवासी विकास विभाग के प्रमुख अधिकारी आद्युक्त गणेश शोरी की निदेशित किया कि आश्रम को नियमानुवर्ती (बाय-लॉज) के अनुरूप सभी संघर्ष प्रकरणों की गहन समीक्षा करें जाए। उन्होंने आश्रम से संबद्ध शैक्षणिक संस्थाओं में शिक्षकों की समुचित व्यवस्था, प्रशासनिक विषयों तथा लैंग्विज स्वीकृतियों के संबंध में विस्तृत प्रतिवेदन तैयार

करने के निर्देश दिए, ताकि संबंधित विभागों के समन्वय से समस्याओं के त्वरित एवं स्थानीय समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई का जा सके।

राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री गणेश शंकर मिश्रा ने बस्तर के जनजातीय बच्चों को शिक्षा से जोड़ने, उनकी खेल प्रतिभाओं को निखारने तथा उन्हें आगे बढ़ने के योग्य उपलब्ध कराने में पद्मश्री धर्मपाल सैनी के अविस्मरणीय योगदान को उन्होंने कहा कि लाम्हा पांच दशकों से माता रश्मिणी आश्रम जनजातीय समाज के शैक्षणिक एवं सामाजिक उत्थान के लिए कार्य कर रहा है। ऐसे संस्थान दूरस्थ अंतर्गत के बच्चों को शिक्षा, संस्कार, अनुशासन और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। श्री मिश्रा ने कहा कि विकासित भारत और विकासित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने के लिए जनजातीय क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कोशल विकास और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देना आवश्यक है। छत्तीसगढ़ अंजोर विजय-2047 के व्यापक विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में समाजसेवी एवं शैक्षणिक संस्थाओं की सहभागिता भी महत्वपूर्ण है।

सीएम हेल्थलाइन 1076 से जय को मिली राहत, जन्म प्रमाण पत्र में नाम की त्रुटि हुई दूर

नई दृष्टिविंदू / रायपुर

सीएम हेल्थलाइन 1076 आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान और शासकीय सेवाओं की सुलभ बनाने का प्रभावी माध्यम बन रही है। दुर्ग जिले के यमथा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत ओटोदंड निवासी जय कुमार गावकाड़ को जन्म प्रमाण पत्र में नाम की त्रुटि से कारण दर्ज शिकायत पर राहत मिली है। ग्राम पंचायत द्वारा आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई कर उन्हें संशोधित जन्म प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया गया।

तत्संबंधी अहिवारा अंतर्गत ग्राम ओटोदंड निवासी जय कुमार गावकाड़ अपने जन्म प्रमाण पत्र में नाम की त्रुटि के कारण परेशान थे। समस्या के समाधान के लिए उन्होंने

सीएम हेल्थलाइन 1076 में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत संबंधित ग्राम पंचायत तक पहुंचने के बाद नाम सुधार की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन, शपथ पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की गई। ग्राम पंचायत द्वारा आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करने के उपरांत 19 अगस्त 2025 को जन्म प्रमाण पत्र ऑनलाइन जारी कर आवेदक को उपलब्ध कराया गया। प्रमाण पत्र में नाम की त्रुटि दूर होने से श्री गावकाड़ को राहत मिली। अब वे शासकीय एवं अन्य आवश्यक कार्यों में संशोधित प्रमाण पत्र का उपयोग कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री हेल्थलाइन 1076 नागरिकों को अपनी शिकायतों और समस्याओं सीधे प्रशासन तक पहुंचाने की सुविधा प्रदान कर रही है।

संपादकीय

बुरी इमेज बनती है तो नुकसान ही होता है

राजनीतिक दलों के नेताओं को इतना तो पता होता है कि चाहे नेता हो या राजनीतिक दल उसकी इमेज जन्ता के बीच अच्छे रहनी चाहिए। कम से कम जनता के प्रति उसे सवेदनशील होना चाहिए। संवेदनशील नहीं है तो कम से कम से आचार विचार से तो संवेदनशीलता दिखनी चाहिए। ऐसा इसलिए किया जाता है कि राजनीति में परपेक्षान का बड़ा महत्व होता है, बनी हुई या बनने वाली इमेज के प्रति नेता और राजनीतिक दल को चुनाव में फायदा और नुकसान होता है। अगर किसी राजनीतिक दल के लिए जनता में यह परपेक्षान बन गया कि इस राजनीतिक दल उसके नेता को तो जनता की परेशानी, हानि लाभ से कोई मतलब नहीं है तो ऐसे राजनीतिक दल को चुनाव में निश्चित रूप से नुकसान होता है कोई भी आदमी या शहर के लोग ऐसे राजनीतिक दल को चुनाव में मदद देना निश्चित रूप से पसंद नहीं करेंगे जिसको बताए जाने के बाद भी कि आपके इस तरह के आचरण से एक वर्ष को दस हजार करोड़ का नुकसान हो सकता है और वह अपना आयोजन न दे न करे या आयोजन की तारीख न बदले।

कांग्रेस देश में एक ऐसी राजनीतिक पार्टी के रूप में अपनी इमेज बना रही है, यह जानते हुए भी बना रही है कि आयोजन से पार्टी को जितना फायदा नहीं होता है, उससे ज्यादा नुकसान होता है। अक्टूबर माह में कांग्रेस सहित अन्य संगठनों के आयोजन से राजधानी दिल्ली में व्यापारियों को ल्यूटारी सीजन में यानी कमाई के दिनों में बीस हजार करोड़ का नुकसान हो चुका है दिल्ली के व्यापारी इस तरह के आयोजनों का पहले ही विरोध कर चुके हैं और कांग्रेस सहित अन्य संगठनों से कह चुके हैं कि ल्यूटारी के समय दिल्ली में इस तरह के आयोजन न किए जाएं क्योंकि इससे उनको नुकसान हुआ है। इसके बावजूद कांग्रेस नेना रहल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने एक नवंबर को दिल्ली के राम लाली मेडान में रेली का आयोजन करने का फैसला किया है, दिल्ली चलो मार्च का आयोजन किया है। दस लाख लोगों की भीड़ जुटने का लक्ष्य तय किया है।

कांग्रेस के इस एक नवंबर को होने वाले आयोजन को लेकर व्यापारिक संगठन चेंबर ऑफ ट्रेड एवं इंडस्ट्रीज (सीटीआई) ने कांग्रेस व विपक्ष के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी को पत्र लिखकर अग्रह किया है कि एक नवंबर को होने वाले कांग्रेस की रेली को टाल दे और दिवाली के बाद उसका आयोजन करें क्योंकि दिवाली के पहले ऐसा आयोजन किया जाएगा तो इससे दिल्ली के व्यापारियों को दस हजार करोड़ का नुकसान होगा। सीटीआई का कहना है कि दिल्ली में घनत्व के आसपास 25 हजार करोड़ का व्यापार होता है, घनत्व 5 नवंबर को है और दीपावली 6 नवंबर को है। दिवाली के लिए शहरवासी एक सप्ताह पहले शुरू होती है यानी एक नवंबर से दीपावली की खरीदारी शुरू होना शुरू और सीटी टिन कारखाने दिल्ली में रेली का आयोजन करना या रही है 10 हजार करोड़ का नुकसान पहले हो चुका है तथा दस हजार करोड़ का नुकसान होना पड़े है क्योंकि कांग्रेस ने तब कर लिया है कि रेली तो वह दिल्ली में एक नवंबर को ही करेगी, व्यापारियों को नुकसान होता है तो भी करेगी।

राहुल गांधी कांग्रेस के सबसे बड़े नेता है, वह एक बार कोई फैसला कर लेते हैं, वह बदलते नहीं है चाहे उससे व्यापारियों को नुकसान हो या कांग्रेस को नुकसान हो। यही वजह है कि वह सीटीआई के अग्रह के बाद भी कांग्रेस की रेली को तारीख बदलने को तैयार नहीं है, उन्हें भाजपा को रेली के प्रचार के लिए धनवादा दे रहे हैं, यह भी कह रहे हैं कि छात्र, किसान, मजदूर, महिलाएं, व्यापारी व युवा जिस जिस को लोकतंत्र की फिक्र है, वह रेली में जरूर आए। वह रेली में आने वाले लोगों की संख्या से पता चल जाएगा कि राहुल गांधी पर कितने लोग भरोसा करते हैं, कम से कम वे लोग तो रेली में नहीं आयेगे जिनके लिए दिवाली का समय काफ़ी महत्वपूर्ण होना चाहिए और उनकी कमाई में नुकसान हुआ तो वह याद रखेंगे कि कांग्रेस के कारण साल में एक बार होने वाली कमाई नहीं हुई और उनको बहुत नुकसान हुआ और इसी नाराजगी के कारण अगले चुनाव में वह तमाम लोग कांग्रेस को तो वोट नहीं करेंगे। वह कांग्रेस को बताएंगे कि तुमने हमारा नुकसान किया, हम तुम्हारा नुकसान करेंगे।

दिल्ली की रेली व्यापारी वर्ग के विरोध के बाद होती है तो इसका संदेश तो दिल्ली सहित देश के तमाम राज्यों में यही जाना बाला है कांग्रेस व्यापारियों के हित की सोचती नहीं है, व्यापारी विरोधी है और इसका नुकसान उसको आने वाले समय में जहां भी चुनाव होंगे नुकसान होना ही होगा है क्योंकि व्यापारी का साली राज्यों में है उनकी संख्या लाखों करोड़ों में है कांग्रेस का मालूम है कि जनता उसके वोट चोरी के मुद्दे को रेली नहीं मानती हैं क्योंकि जनता को तो इस चोरी का एहसास दो चुनावों में नहीं हुआ है, बिहार व बंगाल में तो चुनाव हो चुके हैं, लोगों ने वोट डाले हैं लेकिन किसी को एहसास नहीं हुआ कि उसका वोट चोरी किया गया है। उसे तो यही एहसास हुआ है कि उसने वोट डाला है और जिसे वोट नहीं है, वह जानती है किसी मुद्दे का कोई महत्व तब ही होता है जब जनता उसे सच माने, राहुल गांधी तो महोदी से वोट चोरी का है कह रहे हैं लेकिन न तो संसद में और न ही अदालत में वोट चोरी का एक सतुत प्रमाण भी कब खड़े है ऐसे में राहुल गांधी देश में कितनी भी रेली करे, लाखों को भीड़ जुटा ले, जनता यकीन करने वाली नहीं है कि देश में वोट चोरी होता है। चुनाव आयोग वोट चोरी करता है।

जवाबदेह पुलिस व्यवस्था से ही बनेगा सुरक्षित उत्तर प्रदेश

सौरभ वाण्य

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर यह संदेश दिया कि नए उत्तर प्रदेश में कानून से ऊपर कोई नहीं है और अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के लिए पुलिस को पूरी स्वतंत्रता दी गई है। मुख्यमंत्री के अनुसार, इसी स्वतंत्रता के कारण प्रदेश की पहचान उदय से उत्सव की और बदली है। उनका यह वक्तव्य प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार की प्राथमिकताओं और पुलिस की भूमिका को रेखांकित करता है। निरसंदेह, किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांति, सुरक्षा और कानून का शासन विकास की बुनियादी शर्तें हैं। लेकिन कानून के राज की वास्तविक सफलता केवल सख्त कार्रवाई के दावों से नहीं, बल्कि आम नागरिक के मन में सुरक्षा के विश्वास, त्याग और प्रशासन की निष्पक्षता से तय होती है।

पुलिस स्मृति दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि उन पौर पुलिसकर्मियों के सर्वोच्च बलिदानों का अवसर है, जिन्होंने देश और समाज की रक्षा करते हुए अपने प्राण त्यागकर कर दिए। पुलिस का दायित्व केवल अपराधियों को पकड़ना या कानून का पालन कराना नहीं है, बल्कि संकट के समय नागरिकों की सहायता करना, कर्मचारी वर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और समाज में विश्वास का वातावरण तैयार करना भी है। कर्तव्य के प्रति समर्पण, साहस और अनुशासन पुलिस सेवा के पहचान हैं। ऐसे में शहीद पुलिसकर्मियों को सच्ची ब्रदोजलि तभी सार्थक होगी, जब पुलिसकर्मियों की सुरक्षा, उनके कार्य करने की परिस्थितियों, आधुनिक ससाधनों पर पेशेवर प्रशिक्षण को लगातार बेहतर बनाया जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2017 से पहले को कानून व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि देश समय प्रवेश में माफिया और अराजक तत्वों का प्रभाव था। मधुपुर के जवाहर बाग जैसी घटनाएं इस बात की याद दिलाती हैं कि कानून-व्यवस्था की चुनौतियां कितनी गंभीर हो सकती हैं और उनसे निपटने में पुलिसकर्मियों को किस तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। वर्तमान सरकार का दावा है कि अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई में राजनीतिक या प्रशासनिक दबाव को बाधा नहीं बनने दिया जा रहा। यदि इस नीति की निष्पक्षता और निरंतरता के साथ लागू किया जाता है, तो इससे कानून के प्रति लोगों का भरोसा मजबूत हो सकता है।

हालांकि, किसी भी सरकार के लिए यह आवश्यक है कि वह कानून व्यवस्था में सुधार का आकलन केवल अपनी उपस्थितियों के आधार पर न करे, बल्कि स्वतंत्र आंकड़ों, अपराध के बदलते स्वरूप और



नागरिकों के अनुभवों को भी महत्व दे। अपराध पर नियंत्रण का अर्थ केवल निरपराधी और संपत्ति जतन करने की संस्था बढ़ाना नहीं है। वास्तविक उपलब्धि तब मानी जाएगी, जब महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों, व्यापारियों, किसानों और समाज के कमजोर वर्गों को सुरक्षित वातावरण मिले। शिकायत दर्ज कराने के लिए नागरिकों को परेशान न होना पड़े, पीड़ितों को समय पर सहायता मिले और अपराध की जांच निष्पक्ष ढंग से पूरी हो। पुलिस की सक्रियता के साथ-साथ न्यायिक प्रक्रिया की गति और अभियोजन की गुणवत्ता भी उत्तरी ही महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने पुलिस व्यवस्था को अधिक सक्षम और आधुनिक बनाने के लिए 2.26 लाख से अधिक पुलिसकर्मियों की भर्ती, प्रशिक्षण क्षमता में दस गुना वृद्धि, सात बड़े शहरों में पुलिस थापुत प्रणाली लागू करने, प्रत्येक जिले में साइबर यूनिट स्थापित करने और सभी थानों में महिला सहायता कक्षाओं की व्यवस्था जैसे कदमों का उल्लेख किया। इन पहलों का उद्देश्य पुलिस को बदलती सामाजिक और तकनीकी चुनौतियों के अनुरूप तैयार करना है। बढ़ती आवृद्धि और तेजी से परिवर्तन के बीच उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में पुलिस बल की संख्या, उसकी दक्षता और संसाधनों का विस्तार आवश्यक है। नई भर्तियों से पुलिस पर काम का दबाव कम करने, गश्त बढ़ाने और नागरिकों तक सेवाएं पहुंचाने में मदद मिल सकती है।

लेकिन भर्ती के साथ प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान देना होगा। पुलिसकर्मियों को कानून, सामाजिक, साइबर अपराध, फॉरेंसिक जांच, डिजिटल साक्ष्य और सामुदायिक पुलिसिंग का विस्तार आवश्यक है। नई भर्तियों से पुलिस पर काम का दबाव कम करने, गश्त बढ़ाने और नागरिकों तक सेवाएं पहुंचाने में मदद मिल सकती है। लेकिन भर्ती के साथ प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान देना होगा। पुलिसकर्मियों को कानून, सामाजिक, साइबर अपराध, फॉरेंसिक जांच, डिजिटल साक्ष्य और सामुदायिक पुलिसिंग का विस्तार आवश्यक है। नई भर्तियों से पुलिस पर काम का दबाव कम करने, गश्त बढ़ाने और नागरिकों तक सेवाएं पहुंचाने में मदद मिल सकती है।

पंचायतों में है। पुलिस की कार्यशैली में संवेदनशीलता, धैर्य और पेशेवर व्यवहार भी उत्तरी हो जरूरी है। किसी पीड़ित को शिकायत सुनने से लेकर अपराध की जांच पूरी करने तक हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित होनी चाहिए। पुलिस की प्रतिष्ठा उसके अधिकारों से ही नहीं, बल्कि उन अधिकारों के जिम्मेदार इस्तेमाल से भी बनती है। आज साइबर अपराध एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। ऑनलाइन चोरी, पहचान की चोरी, डिजिटल भ्रष्टाचार से संबंधित धोखाधड़ी और सोशल मीडिया के माध्यम से किए जाने वाले अपराधों ने पुलिस के सामने नई जिम्मेदारियां खड़ी कर दी हैं। प्रत्येक जिले में साइबर थानों की स्थापना एक उपयोगी कदम है, लेकिन इन थानों में शिक्षित कर्मचारियों, आधुनिक तकनीक और त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था भी जरूरी है। आम नागरिकों को साइबर अपराध की शिकायत दर्ज कराने में सरलता मिलनी चाहिए। इसी तरह महिला सहायता कक्षाओं की स्थापना तभी प्रभावी होगी, जब महिलाओं की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाए, उनके गोपनीयता सुरक्षित रखी जाए और जरूरत पड़े ? पर तकली सहयता उपलब्ध कराई जाए।

सरकार ने गैंगस्टर अभिनय में तबत 88,973 अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई और 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की अवैध संपत्ति जप्त किए जाने का उल्लेख किया है। ये आंकड़े संगठित अपराध और अपराध से अर्जित संपत्ति के विरुद्ध सरकार की कार्रवाई का संकेत देते हैं। अपराध से अर्जित संपत्ति पर कानून की कार्रवाई संगठित अपराध के आर्थिक आधार को कमजोर करने का महत्वपूर्ण माध्यम हो सकती है। फिर भी ऐसी कार्रवाई में कानून की निष्पक्ष प्रक्रिया, पंचायतों में है। पुलिस की कार्यशैली में संवेदनशीलता, धैर्य और पेशेवर व्यवहार भी उत्तरी हो जरूरी है। किसी पीड़ित को शिकायत सुनने से लेकर अपराध की जांच पूरी करने तक हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित होनी चाहिए। पुलिस की प्रतिष्ठा उसके अधिकारों से ही नहीं, बल्कि उन अधिकारों के जिम्मेदार इस्तेमाल से भी बनती है। आज साइबर अपराध एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। ऑनलाइन चोरी, पहचान की चोरी, डिजिटल भ्रष्टाचार से संबंधित धोखाधड़ी और सोशल मीडिया के माध्यम से किए जाने वाले अपराधों ने पुलिस के सामने नई जिम्मेदारियां खड़ी कर दी हैं। प्रत्येक जिले में साइबर थानों की स्थापना एक उपयोगी कदम है, लेकिन इन थानों में शिक्षित कर्मचारियों, आधुनिक तकनीक और त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था भी जरूरी है। आम नागरिकों को साइबर अपराध की शिकायत दर्ज कराने में सरलता मिलनी चाहिए। इसी तरह महिला सहायता कक्षाओं की स्थापना तभी प्रभावी होगी, जब महिलाओं की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाए, उनके गोपनीयता सुरक्षित रखी जाए और जरूरत पड़े ? पर तकली सहयता उपलब्ध कराई जाए।

व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई का आधार उसका अपराध होना चाहिए, न कि उसकी राजनीतिक पहचान, सामाजिक स्थिति या किसी अन्य प्रकार का पूर्वाग्रह। कानून की शक्ति सभी विश्वसनीय बनती है, जब उसका प्रयोग सभी के लिए समान हो। यह भी समझना होगा कि पुलिस को स्वतंत्रता देने का अर्थ उसे जवाबदेही से मुक्त करना नहीं है। पुलिस को अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त अधिकार और प्रशासनिक सहयोग मिलना चाहिए, लेकिन उन अधिकारों का उपयोग संविधान और कानून की सीमाओं के भीतर होना चाहिए। अवैध हिरासत, हिरासत में हिंसा, झुठे मुकदमे या निर्दोष नागरिकों के उन्नीह ? जैसी किसी भी शिकायत को निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। मजबूत पुलिस व्यवस्था वही है, जिसमें अपराधी कानून से भयभीत हो, लेकिन निर्दोष नागरिक पुलिस से भयभीत न हो। अधिकार और जवाबदेही का यही संतुलन लोकतांत्रिक शासन की पहचान है।

उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था का सुधार केवल पुलिस विभाग की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए न्यायालयों में मामलों के शीघ्र निराकरण, अभियोजन व्यवस्था को मजबूत करने, जेल सुधार, स्थानीय प्रशासन की सक्रियता और समाज की भागीदारी की भी आवश्यकता है। बेरोजगारी, न्याही, सामाजिक अभाव और स्थानीय विवादों जैसी समस्याओं के समाधान के लिए भी समन्वित प्रयास किए जाने चाहिए। अपराध होने के बाद कार्रवाई त्वरित आवश्यक है, अपराध को घटने से रोकने के लिए सामाजिक और प्रशासनिक स्तर पर काम करना भी उत्तरी ही महत्वपूर्ण है।

पुलिस स्मृति दिवस हमें यह याद दिलाता है कि कानून व्यवस्था केवल सत्ता की प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन, स्वतंत्रता और समान से जुड़ा विषय है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कानून से ऊपर किसी को न मानने का संदेश सभी पूरी तरह सार्थक होगा, जब उसका प्रभाव प्रदेश के हर जिले, हर कस्बे और हर गांव में दिखाई दे। आम नागरिक बिना भय अपनी बात कह सके, पीड़ित को न्याय मिले, महिलाओं को सुरक्षा का भरोसा हो और अपराधी किसी भी प्रभाव या संस्था के सहारे कानून से बच न सके। उन उजर प्रवेश के पहचान केवल सख्त पुलिस कार्रवाई या सकाराई आंकड़ों से ही नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण, सुरक्षित और विश्वासपूर्ण समाज से मिलेगी। शहीद पुलिसकर्मियों के बलिदान का वास्तविक सम्मान यही है कि पुलिस व्यवस्था अधिक सक्षम होने के साथ-साथ संवेदनशील, पारदर्शी और जवाबदेह भी बने। कानून का रास तब मजबूत होगा, जब कानून का भय अपराधियों में और कानून पर विश्वास आम नागरिकों के मन में स्थापित हो। यही सुभाषचंद्र कर्वे की इच्छा है और इस आधार पर उत्तर प्रदेश को कानून-व्यवस्था की वास्तविक सफलता का मूल्यंकन किया जाना चाहिए।

मणिपुर में शांति के प्रयास और सरकार की प्राथमिकताएं



महेंद्र तिवारी

मणिपुर में स्थानीय शांति स्थापित करने की दिशा में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और सशस्त्र समूहों की गतिविधियों पर नियंत्रण रखना आज एक बड़ी चुनौती है। आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर है। इसी कड़ी में 25 अक्टूबर 2026 को मुख्यमंत्री नमोन खंमनू सिंह ने कांगपोकपी जिले के सिनाई शिविर का महत्वपूर्ण दौरा किया। यह विशेष शिविर उन सशस्त्र समूहों के लिए था जो केंद्र सरकार के साथ हुए अभियान निष्पक्ष समझौते के अंतर्गत आते थे। इस संयुक्त सुरक्षा अभियान के बाद इस शिविर को निरस्त्र कर दिया गया था और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने इसे अपने पूर्ण नियंत्रण में ले लिया था। मुख्यमंत्री का यह दौरा इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि यह किसी भी वर्तमान मुख्यमंत्री का अभियान निष्पक्ष समझौते के तहत आने



मणिपुर

है। ऐसे तनावपूर्ण वातावरण में केवल सुरक्षा बलों की कार्रवाई पर्याप्त नहीं है, बल्कि विश्वास बढ़ानी, आपसी संवाद और न्याय को प्रक्रिया को आगे बढ़ाना बेहद जरूरी है। हिंसा को हर एक घटना के लिए जिम्मेदार लोगों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, लेकिन किसी पूरे समुदाय को दोषी ठहराने से बचना भी आवश्यक है। सुरक्षा एजेंसियों के सामने अब यह पता लगाने की चुनौती है कि वे फजी व्यक्ति शिविर में कैसे पहुंचे और वहां मिले खतरनाक हथियार किसके नियंत्रण में थे। शिविर से मिले 17 संदेशों और हाल ही में हुई तीन नागरिकों की हत्या के बीच का संबंध भी जांच का विषय है, जिसकी जांच अलग साक्ष्यों के आधार पर होनी चाहिए। मणिपुर में फिर से शांति स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकार, सुरक्षा बलों और नागरिक संगठनों के बीच मजबूत समन्वय आवश्यक है। विश्वाचित प्रचारकों की सुरक्षित यात्राओं और प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाओं को सामान्य बनाना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। मुख्यमंत्री का संदेश स्पष्ट है कि हिंसा की संस्कृति समाप्त किया जाना स्थानीय शांति संघर्ष नहीं है। निष्पक्ष न्याय, राजनीतिक संवाद और विश्वास बढ़ानी से ही नागरिकों को सुरक्षा का पक्का भरोसा मिलेगा।

करवा चौथ : दापत्य जीवन की मधुर परंपरा



महेंद्र तिवारी

भारतीय संस्कृति में ल्यूटारी केवल धार्मिक आस्था के प्रतीक नहीं हैं, बल्कि वे पारिवारिक संबंधों को मजबूत बनाने और जीवन में प्रेम, उल्लास तथा आत्मीयता का संसार करने के माध्यम भी हैं। करवा चौथ ऐसा ही एक पर्व है, जिसका विवाहित महिलाओं के जीवन में विशेष महत्व है। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मानवा जने वाला यह ल्यूटारी पति की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य और सूर्य की दीर्घायु को सुरक्षा देता है। इस पर्व को करवा चौथ का उत 29 अक्टूबर, गुरुवार को रखा जाएगा। करवा चौथ की तैयारियां कई दिन पहले से ही आरंभ हो जाती हैं। बाजारों में रंग-बिरंगी बुटियां, सुंदर वस्त्र, आभूषण, मेहंदी और पुजा की सामग्री सजने लगती हैं। महिलाएं अपने हाथों पर मेहंदी रचाती हैं और पारंपरिक वेराभूषण में सजती-सज्जती हैं। पारों में उत्सव ऐसा वातावरण दिखाई देता है। कहीं महिलाएं सामूहिक रूप से पुजा की तैयारी करती हैं, तो कहीं परिवार के सदस्य मिलकर इस दिन की विधीय बनाने का प्रयास करते हैं। इन तैयारियों में केवल सजने-सज्जने का उत्साह नहीं, बल्कि अपनों के साथ खुशियां बांटने की भावना भी छिपी होती है।

स्ट्रोक का बढ़ता खतरा : आधुनिक जीवनशैली और मानसिक तनाव जिम्मेदार

डॉ. प्रीतमी ग्रेडाम

हमारे आसपास का वातावरण ही कुछ ऐसा बन गया है कि, पिछले कुछ सालों में मानवजीवी बीमारियों में बेतुसा वृद्धि हुई है। फैसल, हाई अर्ट, स्ट्रोक तो अब रोजमर्रा की बातों में सुनने मिलते हैं, जैसे वह कोई आम बीमारी बन गई है। आधुनिक जीवनशैली और बढ़ता मानसिक तनाव बीमारियों को बुराट देता दे रहा है, जिसके कारण निरोग और कम उम्र का व्यक्ति भी अचानक घायक बीमारियों का शिकार होकर जाना सकता है। प्रदूषण, लाइफस्टाइल, अशुद्धता, मौसम का झिझक एक और जोड़ते रसायनों का प्रयोग जैसे ही हमें मोती के भूतने पर पहुंचा रहा है, ऊपर से आधुनिक जीवनशैली और मानसिक तनाव हमें शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर बना रहा है। शरीर और मन को खुश और निरोगी रखें ऐसा वातावरण, वीजें जो लोगों का ब्यहार कम हो रहा है। अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में व्यस्त मनुष्य अपने स्वास्थ्य की उम्मेका करता है।

खासकों, भोजन में पक्का तेलों की कमी, पैकड फूड-ड्रिंक, तबत मसालेदार चीजें नमामनी मैदायुक्त वसाकू खाद्यवस्तु, दैत रात कम जागना या अतिरिक्त सोनिया की तबत, वार्षिक संसाधनों पर निर्भरता, निरंतर बैठक कार्य करना, व्यायाम की कमी, पर्याप्त मात्रा में शुद्ध ऑक्सीजन, जल और पोषक अहार न मिलना, गुरी संतान या बुरी आदतें, द्यूकहार करना, मन में डर, बैटन या हिम्मत की कमी, डूर बिचार आना, ऐसी सभी आदतें मनुष्य के शरीर पर बुरा आवाग करती हैं और फिर धीरे-धीरे मानवजीवी बीमारियों की ओर बंकेलती हैं। धूम्रपान, मधुमेह, मोटापा, जल कम खाना, खराब कोलेस्ट्रॉल के जोखिम को बढ़ाते हैं। कोले बी घायक बीमारी हमें एक दिन में नहीं होती, बीमारियां बीमे गति से बढ़ने

लगाती है, लेकिन हम ध्यान देना उचित नहीं समझते। हमारी जीवनशैली और कार्यशैली में बदलाव आवश्यक है और साथ ही प्रकृति पर होनावाला हर भार हमारी संतत पर हो रहा है, वह जागरूकता बेहद जरूरी है।

हर साल 29 अक्टूबर को विश्व स्ट्रोक दिवस पूरी दुनिया में जनागुति के लिए मनाया जाता है। मानसिक संबंधी घायक बीमारी स्ट्रोक तेजी से बढ़ रही है, जब मनुष्य में रक्त का प्रवाह रुक जाता है तब स्ट्रोक होता है। मानसिक से रक्त वाहिका के अवरुद्ध होने के कारण या फिर मानसिक के अंदर रक्तस्राव के कारण यह स्थिति उत्पन्न होती है। पहले यह केवल बुजुर्गों के हिस्से की बीमारी मानी जाती थी, परंतु अब बुजुर्गों में भी यह बीमारी तेजी से बढ़ी है, नेमन स्ट्रोक रजिस्टरी प्रोग्राम दर्शाती है कि, स्ट्रोक के हर 7 में से 1 मरीज युव अवस्था में कामकाजी वर्ग का है, अवैत भारत में 14 प्रतिशत मरीज होने का जोखिम 50 फीसदी तक बढ़ गया है, 2023 में बताया गया है कि, कामकाजी उम्र के 104 मिलियन भारतीय अर्द्धदृष्टिवादी रोगी पर्याप्त से पीड़ित हैं, जो स्ट्रोक का जोखिम कारक है। अमेरिकन स्ट्रोक असोसिएशन अनुसार, स्ट्रोक किसी की भी और किसी भी उम्र में हो सकता है। दुनिया भर में, 25 साल से ज्यादा उम्र के हर बार वयस्कों में से एक को अपने जीवनकाल में मी कभी स्ट्रोक हो सकता है।

साल 2020-2022 दौरान एक रिसर्च किया गया, जिसमें देश के 30 अस्पतालों के 34792 स्ट्रोक मरीजों के अध्ययन से पता कि, कुल मरीजों में 64 प्रतिशत पुरुष और 36.6 प्रतिशत महिलाएं थीं, 70 प्रतिशत से अधिक लोग प्राथमिकी श्रो से थे। 17.4 प्रतिशत में उच्च रक्तचाप, 28.5 प्रतिशत में तंबाकू का सेवन और 27.3 प्रतिशत में मधुमेह सबसे आम जोखिम कारक था। 137.8 प्रतिशत

मरीज 24 घंटे बाद अस्पताल पहुंचे, केवल 20.1 प्रतिशत मरीज लक्षण शुरू होने के 4.5 घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचे थे। स्ट्रोक अघात के तीन महाने हैं। मरीज अस्पताल में प्रवेश करने की मधुर हो चुकी थी, लगभग 30 प्रतिशत मरीज गंभीर रिकवोगता का शिकार हो गए थे एवं 1.1 प्रतिशत मरीजों को डोबारा स्ट्रोक आया। स्ट्रोक होने पर संतुलन खींचना और खींचना बंद करना, चेहरे का एक तरफ झुकना, हाथ में कमजोरी, बोलने में कठिनाई जैसी समस्या हो सकती है, इसलिए हर मिमेट बीमारी मानकर तुरंत मरीज को अस्पताल पहुंचा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन अनुसार, 2021 में, स्ट्रोक दुनिया भर में मौत और विकलांगता का तीसरा प्रमुख कारण था, जिसके अनुमानित 93.8 मिलियन मामले सामने आए। 2021 में, स्ट्रोक के 11.9 मिलियन नए मामले दर्ज किए गए। पिछले 20 वर्षों में जीवन भर स्ट्रोक होने का जोखिम 50 फीसदी तक बढ़ गया है, हाइड्रोजेनिलेटि एंजलटेंट लाइफ इवेंट्स के रूप में माना जाने वाला स्ट्रोक के शीघ्रक बचाव, वह 2000 के 137 मिलियन से बढ़कर 2026 में 160 मिलियन होगा है। स्ट्रोक के बीस का अधिवाह 160 से 160 मिलियन कारको से हो रही है। स्ट्रोक दिवस या निशिति दिन का संकेत है। इमर्जेंस शांति है - सदैव बेहतर प्रभाव, वायु प्रदूषण, धूम्रपान, हाई कोलेस्ट्रॉल, सोडियम का अधिक मात्रा वाला आहार, हाई फॉरिटर ब्लाड प्रेशर, किसी की खराबी, शरीर का अधिक वजन, शारीरिक रूप से निष्क्रिय रहना और शराब का नियंत्रित सेवन वगैरह। है। हम किसी को गलत करने से तो नहीं बच सकते, लेकिन हम खुद की जान को जोखिम में पतलने से बच सकते हैं, क्योंकि हमारी जान की सुरक्षा हमारे हाथों में है, जीवन अमूल्य है, यह फिर नहीं मिलेगी, इसलिए जीवन को जीभर जियें।

पाकिस्तान से आगे निकला भारत का जीत का रिकॉर्ड, 300 टी-20 मैचों में दर्ज की 200 जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। मौजूदा समय में टी20 क्रिकेट का क्रेज लगातार बढ़ रहा है और द्विपक्षीय सीरीज में टी20 के मुकाबले अधिक खेले जा रहे हैं। लगभग हर टीम खेल के इस छोटे प्रारूप में अधिक से अधिक मैच खेल रही है जिससे टेस्ट और वनडे के भविष्य पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। भारत ने सर्वाधिक तीन बार टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया है, लेकिन आपको जानकारी देनी होगी कि इस टीम ने टी20 में सर्वाधिक मैच नहीं खेले हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच शनिवार को दूसरा टी20 मुकाबला खेला गया। भारतीय टीम के लिए ये मैच काफी विशेष रहा क्योंकि उसने मैदान पर उतारने के साथ ही बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। शनिवार को क्राइस्टचर्च के प्रसिद्ध हेले ओवल मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले के साथ ही भारतीय टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों का एक नया और अनूठा कीर्तिमान अपने नाम कर लिया। इस महत्वपूर्ण मैच के साथ ही भारत, फिर-फिराई पाकिस्तान के बाद टी20

अंतरराष्ट्रीय मैचों का 300 या उससे अधिक का आंकड़ा छूने वाली दुनिया की केवल दूसरी टीम बन गई है। क्रिकेट के इस सबसे तेज, छोटे और रोमांचक फॉर्मेट में भारत की यह यात्रा अविश्वसनीय रूप से सफल रही है, जिसने दुनिया भर के खेल प्रेमियों को अनगिनत यादगार और ऐतिहासिक लम्हे दिए हैं।

टी20 में सर्वाधिक मैच खेलने का रिकॉर्ड फिलहाल पाकिस्तान के नाम है। पाकिस्तान ने अब तक 304 टी20 मैच खेले हैं और वह पहले स्थान पर है। हालांकि, भारत टीक उसके पीछे है। भारत इस सूची में अब दूसरे पायदान पर मजबूती से स्थापित हो गया है, जिसने अपने 300 मैच पूरे कर लिए हैं। इस क्रम में न्यूजीलैंड की टीम तीसरे स्थान पर है, जिसने अब तक कुल 269 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में हिस्सा लिया है। इसके अतिरिक्त, वेस्टइंडीज की टीम ने 260 और श्रीलंका ने 243 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जो इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली दुनिया की शीर्ष टीमों में शुमार हैं।

टी-20 में भारत-पाकिस्तान के आंकड़े

टी20 में भारतीय टीम के आंकड़ों को देखें तो टीम ने 300 मैचों में से 200 में जीत दर्ज की है। वहीं, मौजूदा टी20 विश्व कप चैंपियन टीम को 83 मैचों में हार मिली है और सात मैच टाई रहे हैं। वहीं, 10 मैच बेतुतीया रहे हैं। टी20 में 200 जीत का यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि भारतीय टीम ने टी20 क्रिकेट में किस स्तर का एकात्मता दबदबा बनाया है और वैश्विक मंच पर अपनी सर्वोच्चता कायम रखी है। दूसरे ओर, पाकिस्तान के प्रदर्शन को देखें तो उसने कुल 304 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें से उसे 176 मुकाबलों में जीत नसीब हुई है और 116 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान के चार मैच टाई पर छूटे हैं और आठ मुकाबलों का कोई परिणाम नहीं आ पाया है। जब भारत और पाकिस्तान के इन आंकड़ों की तुलना की जाती है, तो भारतीय टीम का जीत-हार का अनुपात काफी अधिक मजबूत नजर आता है।



विश्व कुश्ती चैंपियनशिप ललित कांस्य पदक के मुकाबले में पहुंचे

अस्ताना। भारत के ललित ने अमेरिका के मेक्स एमिलियानो नोरोरी को 7-0 हराकर ग्रीको रोमन विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई, लेकिन तीन अन्य भारतीय पहलवान पहले दौर में ही बाहर हो गए। ललित कांस्य पदक के मुकाबले में कजाकिस्तान के इस्कर कुर्बानोव से भिड़े। अगर वह यह मैच जीत जाते हैं तो विश्व चैंपियनशिप में ग्रीको रोमन में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे।

विश्व चैंपियनशिप में किस भारतीय ने जीता है पदक...

संदीप तुलसी यादव एकमात्र भारतीय हैं जिन्होंने 2013 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता नितेश सिखाच सहित तीन अन्य भारतीय पहलवान शुरुआती मुकाबलों से आगे नहीं बढ़ पाए। सिखाच को 97 किलोग्राम वर्ग में जर्मनी के एटोन व्युए से हार का सामना करना पड़ा। जर्मनी के खिलाड़ी ने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत हासिल की।

करणजीत (72 किलोग्राम) अपने क्वालीफाईंग मुकाबले में जापान के रिनतारो सोमिगे से 2-2 से हार गए। करनजीत अच्छी स्थिति में थे लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए जबकि सोमिगे ने जवाबी हमला करते अर्ध-बनाकर भारतीय खिलाड़ी को पीछे छोड़ दिया।

जोगिंदर राठी को 130 किलोग्राम वर्ग में तुर्किए के पहलवान और मौजूदा यूरोपीय चैंपियन रिजा कायल्ये से कराटी हार का सामना करना पड़ा।



तिलक वर्मा के फिनिशर की भूमिका से प्रभावित हुए सैंटर

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा के फिनिशर के रूप में उभरने से प्रभावित न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटर ने कहा कि बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने खुद को नई भूमिका में शानदार तरीके से ढाला है। तिलक ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में नाबाद 51 रन की पारी खेलकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। सैंटर ने तिलक को मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल एक साथ खेलते हुए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखा है, लेकिन अब बाएं हाथ का यह बल्लेबाज मैच खत्म करने की जिम्मेदारी भी वशुवी निभा रहे हैं।

जीत में दिया अहम योगदान

भारत के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 21 रन देकर कर विकेट लेने वाले सैंटर मुंबई इंडियंस की टीम में तिलक के अलावा भारत की जीत की नींव रखने वाले नमन धीर के साथ भी ड्रेसिंग रूम साझा कर चुके हैं। सैंटर ने कहा, 'वह तिलक ने शुरूआत की थी, तब वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते थे। वह भूमिका थोड़ी अलग होती है। मध्यक्रम में आपकी भूमिका इस बात पर निर्भर करती है कि आप पारी के बीच के अंतरों और अंतिम ओवरों में किस तरह बल्लेबाजी करते हैं। मैं उन्हें मुंबई में पिछले कुछ वर्षों से खेलते देख रहा हूँ। वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं।

नमन और नीतीश कुमार रेड्डी की भी तारीफ

उन्होंने तिलक के साथ बेहतरीन साझेदारी करने वाले नमन और नीतीश कुमार रेड्डी की भी तारीफ करते हुए कहा, नमन धीर के साथ भी ऐसा ही है। वह जिस तरह मैदान पर उतरते हैं और शुरूआत से ही बेखौफ होकर खेलते हैं, वह शानदार है। तिलक ने दूसरे मैच में थोड़ा समय लिया, लेकिन अंत में रेड्डी के साथ मिलकर लक्ष्य का पीछा बहुत अच्छी तरह संभाला। अगर आप फिनिशर की भूमिका निभाते हुए मैच खत्म करते हैं, तो आप अपना काम अच्छी तरह कर रहे हैं। इन तीनों बल्लेबाजों ने अंतिम चरण में शानदार प्रदर्शन दिया।

न्यूजीलैंड ने कप्तान की गलती...

बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन के बावजूद सैंटर को लगा कि न्यूजीलैंड ने मैदान पर कुछ अहम मौकों पर गलतियां करके मैच अपने हाथ से निकलने दिया। उन्होंने भारतीय पारी के अंतिम चरण में कैच छोड़ने और क्षेत्ररक्षण में त्रुटि को हार का प्रमुख कारण बताया। उन्होंने कहा, अगर दोनों टीमों के कोशल की तुलना करें तो मुकाबला काफी करीबी रहा है। फैसला मैदान पर कुछ छोट-छोटे पलों से हुआ। दूसरे टी20 में लक्ष्य का पीछा करते समय अंतिम चरण में हम अच्छी स्थिति में थे, लेकिन हमने कुछ कैच छोड़े और क्षेत्ररक्षण में गलतियां कीं। यही चीजें मैच त्रुटियां या हार हैं। न्यूजीलैंड के कप्तान ने कहा कि टीम इस हार की समीक्षा करेगी, लेकिन छूट हुए मौकों पर जरूरत से ज्यादा ध्यान देने के बजाय सकारात्मक पहलुओं को भी देखेंगे। सीरीज का अगला मुकाबला वेल्सिंगटन में खेला जाएगा है, जहां तेज हवाओं के कारण क्षेत्ररक्षण एक बार फिर चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

वाल्टर को वापसी की उम्मीद, बोले- हमने मौके गंवाए

वेल्सिंगटन। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने रविवार को कहा कि भारत के खिलाफ पहले दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनकी टीम ने कुछ मौके गंवाए लेकिन उन्हें उम्मीद है कि टीम बाकी बचे तीन मैच में वापसी करने में सफल रहेगी। न्यूजीलैंड की टीम ने पहले दो मैच में अधिकतर समय अपना पल्लू भारी रखा लेकिन आखिर में उसे हार का सामना करना पड़ा। वाल्टर का मानना है कि उनकी टीम ने प्रत्येक मैच के लगभग 80 प्रतिशत हिस्से में अच्छा प्रदर्शन किया था। वाल्टर ने कहा, हम दोनों मैचों में आसानी से जीत हासिल कर सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हमने कुछ अच्छे मौके गंवाए जिससे परिणाम हमारे अनुकूल नहीं रहा। हार से थोड़ी निराशा है लेकिन हम अपने प्रदर्शन से बेवद खुश हैं। हम दोनों मैच का अंत अपने अनुकूल नहीं कर पाए जो निराशाजनक है लेकिन हमारे लिए दोनों मैच में कई सकारात्मक पहलु रहे।

वाल्टर ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को महत्वपूर्ण क्षणों में अपने खेल में सुधार करने की जरूरत है। न्यूजीलैंड ने दूसरे मैच में कुछ कैच छोड़े जबकि एक बार नोबॉल होने के कारण बल्लेबाज को जीवनदान मिला। उन्होंने कहा, कोई भी जानबूझकर ऐसी गलतियां नहीं करता। अनजाने में ऐसा हो जाता है। इसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। दूसरे मैच की बात करें तो पावरप्ले में तीन विकेट गंवाने के बाद 180 रन तक पहुंचना आसान नहीं होता है। हमानदारी से कहूँ तो इस स्कोर का बचाव किया जा सकता था।



सैंटर को सराहा

वाल्टर ने दूसरे मैच में कप्तान मिचेल सैंटर के प्रदर्शन की भी प्रशंसा की जिन्होंने चार विकेट लेकर मैच का रुख अपने पक्ष में मोड़ दिया था। उन्होंने कहा, कभी-कभी उनके प्रदर्शन को सराहना नहीं मिलती है। यह कोई बहुत ज्यादा टन लेने वाली पिच नहीं थी। थोड़ी बहुत उछल जरूर थी। लेकिन जिस तरह से उन्होंने मैच को क्रीज पर धुमया और अपनी गति का इस्तेमाल किया, वह वास्तव में काबिले तारीफ था।

धोनी खेलेंगे या लेंगे संन्यास, दिसंबर से पहले होगा फैसला

बंगलूरु, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी एमएस धोनी ने डॉडमन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने भविष्य को लेकर अहम संकेत दिया है। धोनी ने कहा कि अगले सीजन में खेलने का फैसला लेने से पहले उन्हें अपनी फिटनेस का आकलन करना होगा। उन्होंने संकेत दिया कि इस संबंध में दिसंबर से पहले फैसला लिया जा सकता है।

बंगलूरु में एक हेल्थकेयर कार्यक्रम के दौरान धोनी से पूछा गया कि क्या वह आईपीएल का एक और सीजन खेलना चाहेंगे। इस पर उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि पहले उन्हें फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा और रिपोर्ट के आधार पर यह देखना होगा कि वह एक और सीजन खेलने के लिए कितने मजबूत हैं। धोनी ने अपने भविष्य पर बात करते हुए कहा 'डॉक्टर, मुझे टेस्ट से गुजरना होगा। आपको मुझे रिपोर्ट देनी होगी और फिर दिसंबर से पहले मुझे देखना होगा कि मैं एक और सीजन खेलने के लिए कितना मजबूत हूँ।' उन्होंने आगे मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर वह खेलने की स्थिति में नहीं होंगे, तो डॉक्टरों को उनकी सहेत का पूरा ध्यान रखना होगा, ताकि यह पुरानी गाड़ी सड़क पर अच्छी तरह चलीती रहे।

चोट के कारण नहीं खेलेंगे धोनी

एमएस धोनी आईपीएल 2026 में फिटनेस संबंधी समस्याओं, खासकर पिछली की परेशानियों के कारण पूरे सीजन से बाहर रहें। उनकी गैरमौजूदगी चेन्नई सुपर किंग्स के प्रशंसकों के लिए निराशाजनक रही। अब सभी की नजरें उनकी फिटनेस और अगले सीजन में संभावित वापसी पर हैं। हालांकि, धोनी ने अभी आईपीएल 2027 में खेलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

पिछले सीजन रहे निराशाजनक

चेन्नई सुपर किंग्स ने धोनी की कप्तानी में अखिरी बार 2023 में आईपीएल खिताब जीता था। 2024 से ऋतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व में खेल रही टीम को पिछले दो सीजन में अपेक्षित सफलता नहीं मिली। टीम 2025 में अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर रही, जबकि 2026 में आठवें स्थान पर रही। ऐसे में धोनी की संभावित वापसी को लेकर प्रशंसकों में उत्सुकता बनी हुई है। हालांकि, टीम में उनकी भूमिका और अगले सीजन में खेलने की संभावना उनकी फिटनेस तथा अंतिम निर्णय पर निर्भर करेगी।

धोनी बोले- RCB ने शानदार प्रदर्शन किया

एमएस धोनी ने कहा कि कामगारों पर किसी टीम का मजबूत दखल उठाना मायने नहीं रखता, जितना मैदान पर ही दिन-रात प्रदर्शन करना। उनके मुताबिक, टी20 जैसे छोटे प्रारूप में शीर्ष टीमों के बीच अंतर बहुत कम होता है और एक मैच का प्रदर्शन नतीजा बदल सकता है धोनी ने माना कि पिछले दो वर्षों में सीएसके का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा, जबकि आरसीबी ने लगातार बेहतर क्रिकेट खेली है। उन्होंने कहा कि आरसीबी की उपलब्धियों को स्वीकार करने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए। धोनी के अनुसार, खेल में अच्छे और बुरे दौर आते रहते हैं। अखिरी परीक्षा तब होती है, जब टीम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाती। ऐसे समय में टीम को अपनी कमजोरियों को पहचानकर उन पर काम करना जरूरी होता है।

बंगलूरु के मैदान पर बल्लेबाजों को आता है मजा

एमएस धोनी ने बंगलूरु के क्रिकेट मैदान की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि यहां गेंद आसानी से बाउंड्री पार कर सकती है, जिससे बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने का मौका मिलता है। उनके मुताबिक, कई बार बल्लेबाजों का शॉट सही तरीके से नहीं लगने के बावजूद गेंद छक्के के लिए चली जाती है। हालांकि, यही मैदान गेंदबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण भी बन जाता है। 1980 में इस तरह के हार्ड-स्वीरिंग मुकाबले दर्शकों के लिए मनोरंजक होते हैं। बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का अवसर मिलता है, जबकि गेंदबाजों को दबाव में अपनी क्षमता साबित करनी पड़ती है।

धोनी ने कहा कि अगले सीजन में खेलने का फैसला लेने से पहले उन्हें अपनी फिटनेस का आकलन करना होगा





जिन्दगी के हर छोटे-बड़े पल किसी खास के साथ बांटना चाहते हैं करण जोहर

बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्माता और निर्देशक करण जोहर अपनी पेशेवर सफलता के लिए तो हमेशा चर्चा में रहते ही हैं, लेकिन इस बार वह अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी एक भावुक और दिल छू लेने वाली बात को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म जगत में लंबे समय से सक्रिय करण जोहर ने रवीकार किया है कि वह अपनी जिंदगी में एक ऐसे हमसफर की तलाश कर रहे हैं, जिसके साथ वह अपने रोजमर्रा के अनुभव, खुशियां और खास पल साझा कर सकें। उन्होंने यह खुलकर बातचीत अपने प्रसिद्ध चैट शो कॉफी विद करण के नौवें सीजन के एक विशेष एपिसोड में तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार विजय देवरकोंडा के साथ की। बातचीत के दौरान जब विजय देवरकोंडा ने अदकारा रश्मिका मंदाना के साथ अपने मजबूत रिश्ते का जिक्र किया और कहा कि वह उनका हाथ हमेशा थामे रखना चाहते हैं क्योंकि उनके साथ रश्मिका सुरक्षित महसूस करती हैं, तब बातचीत का रुख करण की निजी जिंदगी की ओर मुड़ गया। विजय ने जब करण से उनकी जिंदगी की अधूरी इच्छाओं के बारे में पूछा, तो फिल्मकार थोड़े भावुक हो गए। करण ने बेहद ईमानदारी से अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि भले ही तकनीकी या कानूनी कारणों से शादी करना उनके लिए शायद संभव न हो, लेकिन वह एक सच्चे और समर्पित रिश्ते की गर्माहट को अपनी जिंदगी में महसूस करना चाहते हैं। करण जोहर, जो कि सेरोगेसी के जरिए जुड़वा बच्चों यश और रूही के सिंगल फादर हैं, ने बताया कि वह चाहते हैं कि उनका आने वाला पार्टनर न केवल उनकी खुशियों में शरीक हो, बल्कि उनके बच्चों के लालन-पालन में भी बराबर का योगदान दे। उन्होंने कहा कि उनके लिए किसी रिश्ते का असली अर्थ केवल खास अवसरों को मनाना नहीं, बल्कि हर दिन की छोटी-छोटी बातों को एक-दूसरे से बांटना और एक-दूसरे का संरक्षक बनना है। वह अपनी जिंदगी में एक ऐसा ससान चाहते हैं जिसे वह गर्व से अपना कह सकें और जिससे उन्हें सच्चा सम्मान और प्यार मिले। करण की इस दिल से निकली बात को सुनकर विजय देवरकोंडा भी काफी प्रभावित नजर आए। माहौल को थोड़ा हल्का और सकारात्मक बनाते हुए विजय ने मजाकिया लेकिन आत्मीय अंदाज में सगरी देवी-देवताओं और शो के मंच से करण की इस इच्छा के पूरे होने की दुआ मांगी। विजय की इस प्रार्थना पर करण जोहर भावुक दिखे और उन्होंने माना कि यह दुआ वाकई दिल की गहराइयों से निकली थी। इस पूरी बातचीत ने यह साफ कर दिया कि करण सफलता और शोहरत के बावजूद हर इंसान को अपनी जिंदगी में सच्चे साथ और आत्मीयता की जरूरत होती है।

बिपाशा के लिए खास कार्ड बनाया बेटी ने

अभिनेत्री बिपाशा बसु इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज बाराबंकी की शूटिंग में व्यस्त चल रही हैं। इस बीच, उनके पति और अभिनेता करण सिंह ग्रोवर ने अपनी बेटी देवी का अपनी मां के प्रति प्यार दिखाते हुए एक मार्मिक पोस्टर साझा की। दरअसल, बिपाशा बसु की गैर-मौजूदगी में उनकी बेटी देवी ने अभिनेत्री के लिए एक खास कार्ड बनाया है। इस कार्ड को करण सिंह ग्रोवर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया, जिसमें देवी ने लिखा, आई लव यू मम्मा। कार्ड में बेटी ने आगे अपनी मां को सोलमेट बताते हुए हमेशा उनके साथ रहने की बात लिखी है। करण सिंह ग्रोवर ने पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, जब हम सुबह उठते हैं और तुम यहां नहीं होती, तब भी तुम हमें मुस्कुराने की वजह देती हो और खुशियों से भर देती हो। हम तुमसे बहुत प्यार करते हैं, बिपाशा बसु।



प्राजक्ता कोली ने शेयर किया अपनी सफलता और आत्मविश्वास का राज

डिजिटल क्रिएटर से लेकर बॉलीवुड तक अपनी अदकारी का लोहा मनवाया



इंटरनेट और सोशल मीडिया की दुनिया में मोस्टली सेने के नाम से अपनी खास पहचान बनाने के बाद बॉलीवुड फिल्मों में अपनी अदकारी का लोहा मनवाने वाली प्राजक्ता कोली आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। हाल ही में उन्होंने नेहा धुपिया और अमर्ग बेदी के लोकप्रिय टॉक शो डबल डेट में शिरकत की, जहां उन्होंने डिजिटल कंटेंट निर्माण से लेकर मुख्यधारा की फिल्मों तक के अपने शानदार सफर के बारे में विस्तार से बातचीत की। प्राजक्ता ने बताया कि कैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उनके करोड़ों व्यूजों के प्यार ने उन्हें अभिनय की बड़ी दुनिया में आत्मविश्वास के साथ कदम रखने की ताकत दी। बातचीत के दौरान प्राजक्ता ने बेहद विनम्रता के साथ कहा कि जब वह किसी बड़ी फिल्म के सेट पर दिग्गज और स्थापित कलाकारों के साथ काम करने जाती हैं, तो उनके मन में यह डर नहीं रहता कि सह-कलाकार उन्हें स्वीकार करेंगे या नहीं। इसके बजाय, उनका पूरा ध्यान इस बात पर केंद्रित रहता है कि जो दर्शक अनादी कीमती समय और पैसा खर्च करके सिनेमाघरों में फिल्म का टिकट खरीदते हैं, वे उनके अभिनय से संतुष्ट

हों। उन्होंने माना कि सोशल मीडिया की उनकी मजबूत कम्युनिटी उनके लिए एक सुरक्षा कवच और आत्मविश्वास का सबसे बड़ा जॉरिया बनी है। अपनी डेयू ब्लॉकबस्टर फिल्म जुगजुग जिओ की शूटिंग के दिनों को याद करते हुए प्राजक्ता ने साझा किया कि वह उनके करियर का एक बहुत बड़ा मोड़ था। उस फिल्म में अनिल कपूर, नीतू कपूर, वरुण धवन, कियारा आडवाणी और करण जोहर जैसे हिंदी सिनेमा के बड़े नाम शामिल थे। इतने बड़े सितारों के बीच काम करने के बावजूद प्राजक्ता ने अपना संयम बनाए रखा। उन्होंने कहा कि सेट पर मौजूद हर वरिष्ठ और साथी कलाकार ने उनके साथ बेहद गर्मजोशी और सम्मानजनक व्यवहार किया, जिससे उन्हें अपनी भूमिका को निखारने में काफी मदद मिली। प्राजक्ता का मानना है कि एक कंटेंट क्रिएटर के तौर पर सालों तक व्यूजों से सीधे जुड़े रहने की वजह से वह आम लोगों की पसंद और उम्मीदों को बेहतर ढंग से समझ पाई हैं। यही वजह है कि जब वह कैमरे के सामने आती हैं, तो उनका उद्देश्य केवल अपने किरदार में जान फूँकना होता है ताकि उनका अनुसरण करने वाले प्रशंसक उन पर गर्व कर सकें। प्राजक्ता कोली की यह कहानी आज के युवाओं और नए डिजिटल क्रिएटरों से लिए एक प्रेरणा है कि मेहनत और ईमानदारी के दम पर किसी भी मंच से बॉलीवुड की बुलंदियों तक पहुंचा जा सकता है।

आउटसाइडर को मौका मिला बड़ी बात



छोटे पर्दे पर अपनी पहचान बनाने के बाद अब एक्ट्रेस ईशा मालवीय बड़े पर्दे पर अपनी नई पारी शुरू करने जा रही हैं। फिल्म 'तुम मेरे हो' से बॉलीवुड में डेब्यू करने को लेकर ईशा काफी एसाइटेड हैं। हालांकि, पहली फिल्म को लेकर उनके मन में घबराहट भी है लेकिन वह इस मौके को लेकर ज्यादा खुश हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि एक आउटसाइडर होने के बावजूद उन्हें बड़े पर्दे पर काम करने का मौका मिला है, जो उनके लिए किसी सपने से कम होने जैसा है। ईशा मालवीय ने बातचीत में अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर खुशकर बात की। उन्होंने कहा, 'पहली फिल्म होने की वजह से मैं नर्वस हूँ और मुझे डर भी लग रहा है लेकिन मेरी खुशी नर्वस होने से कहीं ज्यादा है। एक आउटसाइडर के तौर पर बड़े पर्दे तक पहुंचना मेरे लिए बड़ी बात है। मैं इस मौके को लेकर काफी एसाइटेड हूँ और अपनी फिल्म को दर्शकों के सामने लाने का इंतजार कर रही हूँ।' ईशा मालवीय ने कहा, 'मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानी हूँ। मुझे लगता है कि अब तक मैंने जो मेहनत की है, जिंदगी में जिन मुश्किलों का सामना किया है और मुझे यहां तक पहुंचाने के लिए मेरे माता-पिता ने जो परेशानियां झेली हैं, उन सबका नतीजा अब सामने आ रहा है। मैं फिल्म 'तुम मेरे हो' से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हूँ। इसके लिए मैं बहुत खुश हूँ।' ईशा ने कहा, 'मेरे लिए अभी भी इस बात पर यकीन करना आसान नहीं है कि मैं सच में बॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बन गई हूँ। मुझे कई बार ऐसा लगता है, जैसे मैं कोई सपना देख रही हूँ। हालांकि, जब मैं फिल्म से जुड़े लोगों को अपने साथ देखती हूँ, तो मुझे इस बात का एहसास होता है कि मेरा सपना अब हकीकत बन रहा है। यह मेरे लिए अनुभव काफी खास है और मैं इस नए सफर को लेकर उत्साहित हूँ।' अपनी फिल्म 'तुम मेरे हो' को लेकर ईशा ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि यह उन दर्शकों को पसंद आएगी, जो पर्दे पर एक सिंपल लव स्टोरी देखना चाहते हैं। हम दर्शक के तौर पर असर शिकायत करते हैं कि अच्छी फिल्में नहीं आ रही हैं। फिल्मों में बहुत हिंसा और खून-खराबा है। [मांस काट है? एक सिंपल लव स्टोरी कहा है? इसलि] हम आपके लिए 'तुम मेरे हो' लेकर आए हैं।' फिल्म 'तुम मेरे हो' में ईशा मालवीय के साथ एक्टर गुरमीत चौधरी भी नजर आएंगे।

अब सनी देओल और श्रद्धा कपूर से भीमड़े सलमान !

सलमान खान के फैन्स के लिए गुड न्यूज है, लंबे वक़्त से उनकी फिल्म 'मातृभूमि' अटक ही हुई थी, पहले 'बैल ऑफ गलवान' से टाइटल ही बदल दिया गया, जिसके बाद फिल्म में काफी बदलाव किए गए हैं, लेकिन कुछ वक़्त पहले ही फिल्म को वलीयर्स मिल गई थी, तमाम अड़वनों को पार करने के बाद कुछ समय पहले ही इस फिल्म का सेंसर बोर्ड और सरकार की ओर से रास्ता साफ हो गया है, रिलीज डेट को लेकर भी दो डेट्स पर चर्चा चल रही, एक है नवंबर 20 और दूसरे डेट है - 4 दिसंबर, मुश्किल सफर के बाद सलमान खान की 'मातृभूमि' 2026 के आखिर में रिलीज होने की रस में वापस आ गई है, एक रिपोर्ट से पता लगा कि फिल्म को 20 नवंबर या 4 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज करने की हछला निम्न है, अगर यह 20 नवंबर को रिलीज होती है, तो इसका मुकाबला सनी देओल की 'सूर्य' से होगा, वहीं, अगर यह 4 दिसंबर को आती है, तो इसका सामना श्रद्धा कपूर की 'ईवा' से होगा, हालांकि, फिलहाल रिलीज डेट की प्लानिंग चल रही है, मेकर्स ने कोई ऑफिशियल ऐलान डेट को लेकर नहीं किया है,



प्रभास की 'सालार 2' पर बड़ा अपडेट, अगले साल जून में शुरू हो सकती है शूटिंग

साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म 'सालार-पार्ट 2 - सीज़नफायर' ने साल 2023 में सिनेमाघरों में दर्स्तक दी थी। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी इस एक्शन फिल्म को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिला और इसने बैंक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। फिल्म की कहानी खानसार की काल्पनिक दुनिया में दिखाई गई थी, जिसने अपने बड़े पैमाने और दमदार एक्शन से दर्शकों के बीच अलग पहचान बनाई। अब इसके सीकवल 'सालार-पार्ट 2 - शौर्याग पर्व' को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है, जिसने फैस को उत्सुकता बढ़ा दी है। प्रभास के जन्मदिन के मौके पर निर्देशक प्रशांत नील ने उनसे मुलाकात की। इस खास मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया, जिसमें दोनों एक-दूसरे को गले लगाते और हंसी-मजाक करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में प्रभास अपने अंदाज में प्रशांत नील से जन्मदिन के तोहफे के बारे में पूछते हैं। इस पर निर्देशक मुस्कुराते हुए कहते हैं कि 'सालार 2' खुद ही उनके लिए एक गिफ्ट है। इस बातचीत ने फिल्म के सीकवल को लेकर चर्चा तेज कर दी है। अगले साल जून में शुरू होगी 'सालार 2' की शूटिंग सामने आई जानकारी के मुताबिक, 'सालार-पार्ट 2 - शौर्याग पर्व' की शूटिंग अगले साल जून में शुरू होने की योजना है। इस खबर के बाद फिल्म का इंतजार कर रहे दर्शकों के बीच उत्साह बढ़ गया है। हालांकि, फिल्म की शूटिंग से जुड़ी इस जानकारी को लेकर आधिकारिक पुष्टि और आगे के अपडेट पर नजर बनी हुई है।

'हाउसफुल 4' के सात साल पूरे, कृति खरबंदा ने याद किया अपना शाही अंदाज

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति खरबंदा ने अपनी फिल्म 'हाउसफुल 4' के सात साल पूरे होने पर इससे जुड़ी यादें ताजा की हैं और फिल्म का हिस्सा बनने के लिए आभार जताया है। वर्ष 2019 में रिलीज हुई कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 4' को सालगिरह पर कृति ने सोशल मीडिया पर एआई से तैयार एक वीडियो साझा किया, जिसमें फिल्म से उनका शाही लुक नजर आ रहा है। अभिनेत्री ने इसके साथ भावुक संदेश साझा करते हुए लिखा, फ़िल्म, इस अनुभव, पूरी टीम और बेशक हमारे दर्शकों के लिए आभारी हूँ। फ़िल्म में कृति खरबंदा दोहरी भूमिका में नजर आई थीं। उनके पारंपरिक परिधानों, खूबसूरत आभूषणों और राजसी अंदाज ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया था। फिल्म में अलग-अलग समयवर्धियों में उनके किरदारों के लुक और व्यक्तित्व में अंतर भी देखने को मिला था। कृति की इस पोस्ट ने फिल्म से जुड़ी पुरानी यादों को ताजा कर दिया है। अभिनेत्री ने अपने संदेश के जरिए फिल्म की पूरी टीम और दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग और प्यार ने इस अनुभव को उनके लिए यादगार बनाया।



कन्नड़ सुपरस्टार यश ने भी की साईं पल्लवी की तारीफ

अपकमिंग फिल्म रामायण में माता सीता का किरदार निभा रही दक्षिण भारतीय अभिनेत्री साईं पल्लवी की बीते दिनों अभिनेता रणबीर कपूर ने जमकर तारीफ की थी। अभिनेता रणबीर के बाद फिल्म में रावण की भूमिका निभा रहे कन्नड़ सुपरस्टार यश ने भी साईं पल्लवी की तारीफ में कसीदे पढ़े हैं। उन्होंने दर्शकों से साईं पल्लवी को प्यार और आशीर्वाद देने की भी अपील की है, जिससे यह साफ होता है कि टीम को उनके अभिनय पर कितना भरोसा है।। शुरुआत में, साईं पल्लवी को सीता के रोल में कास्ट किए जाने पर लोगों ने काफी सवाल उठाए थे, लेकिन फिल्म के कलाकारों द्वारा मिल रही सराहना ने उन सभी संदेहों को दूर कर दिया है। हाल ही में नितेश तिवारी की फिल्म रामायण का इंटरनेशनल ट्रेजर लॉन्च किया गया था, जिसमें कई नए और दिलचस्प सीन देखने को मिले। इस

लॉन्च इवेंट के दौरान यश ने साईं पल्लवी को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि साईं पल्लवी बेहद धार्मिक स्वभाव की हैं और उन्हें जब भी वक्त मिला है, वह मां सीता को याद करने लगती हैं। यश ने इस बात पर जोर दिया कि साईं पल्लवी भगवान में बहुत ज्यादा विश्वास रखती हैं और ईश्वर के प्रति उनके मन में खास श्रद्धा है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि साईं पल्लवी को सीता का रोल निभाने का मौका मिला। उनमें इस रोल के लिए टैलेट भी है और उनका दिल भी बहुत अच्छा है। उन्होंने दर्शकों से अपील की कि वे साईं पल्लवी को इस रोल में अपना प्यार दें और उन्हें अपना आशीर्वाद दें। यह पहली बार नहीं है कि किसी ने साईं पल्लवी की इतनी तारीफ की हो। इससे पहले फिल्म में भगवान राम का रोल निभाने वाले रणबीर कपूर ने भी लॉन्च एजेंट्स में हुए एक

इवेंट के दौरान उनकी जमकर प्रशंसा की थी। रणबीर ने कहा था कि साईं पल्लवी एक बेहतरीन स्टार हैं। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने पहली बार साईं पल्लवी को माता सीता के रोल में देखा, तो वह हैरानी से नितेश तिवारी की ओर देखने लगे थे और सोचने लगे थे कि इनसे बेहतर इस किरदार के लिए कोई नहीं हो सकता था। रामायण एक विशाल परियोजना है जिसमें रणबीर कपूर भगवान राम, साईं पल्लवी माता सीता और यश रावण के सशक्त किरदारों में दिखाई देंगे। इसके अलावा, फिल्म में सनी देओल हनुमान, रवि दुबे लक्ष्मण, कुणाल कपूर इंद्र, रकुल प्रीत सिंह शृंगणखा, लारा दत्ता कैकेयी और दिग्गज अभिनेता अरुण गोविल राजा दशरथ के रोल में नजर आएंगे। नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायण जल्द ही बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है।



मंत्री गजेन्द्र यादव की पहल से दुर्ग में बिजली व्यवस्था होगी मजबूत, 200 से अधिक नए पोल और 10 ट्रांसफार्मर लगेंगे

क्षेत्र के सभी वार्डों में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए गए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग शहर के विभिन्न वार्डों और नई बस्तियों में विद्युत व्यवस्था को मजबूत करने के लिए केबिनेट मंत्री एवं दुर्ग विधायक गजेन्द्र यादव की पहल पर मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना के तहत बड़ी स्वीकृति मिली है।

दुर्ग नगर सभा के लिए विद्युत विस्तार कार्यों हेतु कुल 4.25 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के लिए 1.38 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 200 से अधिक नए विद्युत पोल और 10 नए ट्रांसफार्मर स्थापित किए जाएंगे। साथ ही लाइन विस्तार और पोल सिफ्टिंग के कार्य भी होंगे।

नागरिकों, पार्षदों और जनप्रतिनिधियों द्वारा लंबे समय से नई बस्तियों व कॉलोनिमें में बिजली पोल और लाइन विस्तार की मांग की जा रही थी। ऐसे संज्ञान में लेते हुए मंत्री यादव ने विद्युत विभाग को निर्देश दिए, जिसके बाद इंजीनियरों ने स्थल निरीक्षण कर कार्यों की प्रक्रिया आगे बढ़ाई।

मंत्री ने सभी जून के कार्यालयन अभियंताओं को नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्डों में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। दुर्ग जिला मुख्यालय होने से रहवासियों को लंबे समय से हो रही परेशानियों से राहत मिलेगी। मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि



दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

10 नए ट्रांसफार्मर से लोड की समस्या होगी दूर

स्वीकृत कार्यों से विद्युत लोड की समस्या कम होगी और बिजली आपूर्ति अधिक सुचारु होगी। नई कॉलोनिमें में लाइन विस्तार से रहवासियों को लंबे समय से हो रही परेशानियों से राहत मिलेगी। मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि

इसके पहले 1,374 विद्युत पोल की स्वीकृति

मंत्री यादव ने पूर्व में भी अपनी विधायक निधि नगर निगम को प्रदान कर विद्युत पोलों पर लाइट लगाने का कार्य कराया था। इसके अतिरिक्त उस्ता क्षेत्र में 67 पोल, मार्च में 702 पोल और 10 ट्रांसफार्मर की स्वीकृति दी गई थी। उन्होंने इन विकास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री विद्युत वित्त धन का आभार व्यक्त किया।

आउटर क्षेत्रों में विकसित हो रही कॉलोनिमें में लाइन विस्तार को मांग लंबे समय से थी। नागरिकों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए यह स्वीकृति दिलाई गई है। हमारा प्रयास है कि हर वार्ड में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो।

नगरीय निकाय चुनाव से पहले भिलाई-रिसाली की मतदाता सूची में गड़बड़ी का लगाया आरोप

महापौर नीरज पाल और जिलाध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने उठाए सवाल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



नगरीय निकाय चुनाव से पहले भिलाई और रिसाली निगम की मतदाता सूची में बड़ी गड़बड़ी के आरोप लगे हैं। महापौर नीरज पाल और जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने सूची का मिलान कर आरोप लगाया है कि भिलाई के तीन और रिसाली के एक वार्ड में करीब 1500 से ज्यादा मतदाताओं के नाम अपने मूल पते से काटकर दूसरे वार्डों में जोड़ दिए गए हैं।

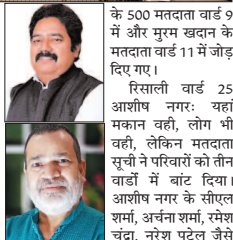
उन्होंने कहा कि घर वही है, पता भी वही है, लेकिन सूची से पुरा का पुरा परिवार गायब है। कहीं पुरा मतदान केन्द्र ही दूसरे वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया तो कहीं सालों से रह रहे परिवारों के नाम ही गायब हैं।

वार्ड 12 बजरंगपुरा कोहका: यहां करीब 250 पुराने मतदाताओं को मुकेश चंद्राकर ने कहा कि 10-20 नामों में गलती मानवीय भूल हो सकती है, लेकिन सैकड़ों की संख्या में वोटों का इधर-उधर होना सामान्य चूक नहीं बल्कि सोची-समझी साजिश है। महापौर नीरज पाल ने सवाल उठाया कि जब 2011 के बाद जगणपना नहीं हुई और 2020 के बाद परिसीमन नहीं हुआ तो फिर आससों ने वार्डों के जगणपना ब्लॉक कैसे बदल दिए।

वार्ड-चार गड़बड़ी के आंकड़े

वार्ड 60 सेक्टर-5: महापौर के वार्ड में एसआईआर के बाद मतदाताओं की संख्या 2300 थी, जो नई सूची में 2820 हो गई। जांच में पता चला कि बगल के वार्ड 59 के 520 मतदाताओं को वार्ड 60 में जोड़ दिया गया है।

वार्ड 12 बजरंगपुरा कोहका: यहां करीब 250 पुराने मतदाताओं को मुकेश चंद्राकर ने कहा कि 10-20 नामों में गलती मानवीय भूल हो सकती है, लेकिन सैकड़ों की संख्या में वोटों का इधर-उधर होना सामान्य चूक नहीं बल्कि सोची-समझी साजिश है। महापौर नीरज पाल ने सवाल उठाया कि जब 2011 के बाद जगणपना नहीं हुई और 2020 के बाद परिसीमन नहीं हुआ तो फिर आससों ने वार्डों के जगणपना ब्लॉक कैसे बदल दिए।



परिवारों के नाम वार्ड से बाहर हैं। सड़क नंबर 3 का एक भी मतदाता वार्ड 25 में नहीं बांधा। इधर कलेक्टर अभिजित सिंह ने कहा है कि सूची में सुधार की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मतदाता 30 अक्टूबर दोहरा 3 बजे तक दावा-आपत्ति दर्ज कर सकते हैं, जिसका निराकरण 3 नवंबर तक किया जाएगा और अंतिम सूची का प्रकाशन 30 नवंबर को होगा।

सिविक सेंटर में अवैध टेला-गुमटियों पर निगम का शिकंजा, 4 दुकानों पर लगाया 15 हजार जुमाना



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई आवुक्त के निर्देश पर सिविक सेंटर क्षेत्र में अवैध रूप से व्यवसाय कर रहे टेला-गुमटी संचालकों के विरुद्ध अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान चार, मोमोज, कॉफी, फास्ट फूड एवं चाय-नारस के अवैध दुकानें संचालित करने

वाले चार दुकानदारों पर चालानी कार्रवाई करते हुए कुल 15 हजार रुपये का जुमाना वसूला गया।

निगम को नौ नए संचालकों को अवैध दुकानें हटाने की समझौदा दी और सिविक सेंटर क्षेत्र में व्यवस्थित एवं नियमानुसार व्यवसाय संचालन के निर्देश दिए। निगम ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थलों पर अवैध कच्चा कर दुकान संचालित करने

वालों के विरुद्ध आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

अभियान में जून-5 के सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेथ्राम, सहायक राजस्व निरीक्षक हनुमद लहरे, गणित बघेल, प्रकाश महिलवार तथा पुलिस विभाग से जनकान कुर्रे, दिनेश देशमुख, राहुल सोनी सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

फूफां ने भतीजे पर कुल्हाड़ी से किया हमला, मौक़े पर मौत, आरोपी गिरफ्तार

जखनपुर। छत्तीसगढ़ के जखनपुर जिले में जमीन बंटवारे को लेकर चल रहे पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया। यहां एक 60 वर्षीय व्यक्ति ने अपने ही रिश्तेदार की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। मृतक की पहचान 30 वर्षीय सतोष प्रधान के रूप में हुई है, जबकि आरोपी का नाम मनबोध मांझी (60 वर्ष) बताया गया है। घटना तपकरा थाना क्षेत्र के जामवहार गांव की है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या में होने से परियोजना रुकी थी, लेकिन अब निगम अधिकारियों की बैठक में 152 परिवारों के पुनर्वास का रास्ता साफ हो गया है।

कैनाल रोड फेज-2 में 900 परिवार ज़द में 152 को ही मिल पाएगा प्रधानमंत्री आवास

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर निगम भिलाई क्षेत्र में नंदनी रोड पावर हाउस से कैप-1, कैप-2 होते हुए अवंती बाई चौक तक प्रस्तावित कैनाल रोड फेज-2 का निर्माण फिल्ले दो साल से अटक रहा है। प्रभावित मकानों पर ऑफिस फैसला न होने से परियोजना रुकी थी, लेकिन अब निगम अधिकारियों की बैठक में 152 परिवारों के पुनर्वास का रास्ता साफ हो गया है।

निकाय स्तरीय समिति ने प्रभावित परिवारों को विस्थापित करने का निर्णय लिया है। प्रस्ताव उन्हीं स्वीकृति के लिए जिला स्तरीय समिति के पास भेजा जा रहा है। मंजूरी के बाद प्रभावितों को मोर मकान-मोर



चरण अवंती बाई चौक से नंदनी रोड तक करीब 5.5 किमी संवा और 19 मीटर चौड़ा फोरलेन बनेगा। लागत करीब 42 करोड़ रुपये है। पीडब्ल्यूडी ने निविदा प्रक्रिया पूरी कर ली है, लेकिन निगम द्वारा जमीन खाली कराकर सॉपने के बाद ही वर्क आर्डर जारी होगा। नहर के ऊपर

कच्चा है, जिसे हटाकर ऊपर पक्की सड़क और नीचे पानी बहने की व्यवस्था होगी।

चुनाव के कारण टली कार्रवाई यह सड़क वैशाली नगर विधानसभा के 10 से अधिक वार्डों से होकर गुजरेगी। 10 में 900 परिवारों के प्रभावित होने की खबर पर स्थानीय लोगों ने चक्का जाम और प्रदर्शन किया था। निकाय चुनाव को देखते हुए जनआक्रोश के डर से जमीनी कार्रवाई चुनाव के बाद ही शुरू होने की संभावना है।

निगम पीआरओ तिलेश्वर साहू ने बताया कि स्थानीय स्तर पर विस्तृत चर्चा के बाद विस्थापन पर सहमति बनी है और प्रस्ताव जिला समिति को भेजा जा रहा है।

संभावित चक्रवात अर्नब का खतरा- छत्तीसगढ़ में हाई अलर्ट जारी

कलेक्टरों को 27 से 29 अक्टूबर तक विशेष एहतियात बरतने के लिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान अर्नब का प्रभाव छत्तीसगढ़ राज्य में पड़ने की संभावनाओं के मद्देनजर शासन पूरी तरह मुलैट हो गया है। इसे लेकर मंत्रालय महानदी भवन में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्य के सभी जिलों के कलेक्टरों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

अप्रम मुधुसा सचिव श्री मनोज कुमार सिंगुआ की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में चक्रवात के मद्देनजर 27 से 29 अक्टूबर तक आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में वॉर्डबो कोन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के कलेक्टर और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी जुड़े।

राज्य जनहानि का तदर्थ और सुरक्षा के कोडेंस जायम: अप्रम मुधुसा सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि चक्रवात से निपटने के लिए



पूरी तैयारी रखी जाए और मौसम संबंधी चेतावनियों को पूरी गंभीरता से लिया जाए। बैठक में मुख्य जोर शुच जगहनि सुनिश्चित करने पर रहा। इसके तहत विशेष रूप से दक्षिण बस्तर क्षेत्र के बीजापुर, सुकमा, दरैवाड़ा, बस्तर और नारायणपुर जिलों में अत्यधिक सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं, जहां तेज हवाएं चलने की संभावना है। राहत विधियों को 24 घंटे संचालित रखने और उनमें सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा गया है। स्वास्थ्य सचिव को चिकित्सा सुविधाओं की निर्बाध उपलब्धता के निर्देश दिए गए हैं, साथ ही गर्भवती महिलाओं

की सूची तैयार कर उन्हें आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के बंधन करने को कहा गया है।

किसानों को फसलों से संबंधित विस्तृत एडवाइजरी जारी करने तथा चक्रवात से फसलों और पशुधन को होने वाले नुकसान को न्यूनतम करने के कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। स्कूलों बच्चों और आंगनवाड़ी केन्द्रों के छोटे बच्चों को सुरक्षा के लिए स्थानीय परिसरों की आकलन कर सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को निर्धारित स्थानों पर पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं।

बुनियादी ढांचे और सेवाओं को सुचारु रखने के निर्देश: राजस्व एवं आयदा प्रबंधन विभाग को सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी ने बैठक में बताया कि तेज हवाओं से कच्चे मकानों को होने वाले संभावित नुकसान का आकलन किया जाए और संवेदनशील क्षेत्रों

से लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए। बिजली के खंभे गिरने से होने वाले नुकसान से निपटने के लिए विद्युत विभाग को तैयार रहने को कहा गया है। साथ ही, दूरसंचार सेवाएं बाधित न हों, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। तेज हवाओं के कारण यदि पेड़ गिरते हैं, तो उन्हें तत्काल हटाने की व्यवस्था करने को कहा गया है। ताकि सड़क मार्ग अवरुद्ध न हों और आवागमन सुचारु बना रहे। होर्डिंग्स और अन्य असुरक्षित संरचनाओं की स्थिति का भी आकलन करने पर जोर दिया गया है।

इस उच्चस्तरीय बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव श्री अमित कटारिया के अलावा एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, राजस्व एवं आयदा प्रबंधन विभाग और ग्रह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

युवक का पेड़ पर लटका मिला शव, जांच जारी

भानुप्रतापपुर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र में 21 वर्षीय युवक को मौत का मामला सामने आया है। युवक का शव पेड़ पर फंसे से लटक मिला। घटना की जानकारी मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मृतक की पहचान शंकर नगर, मुल्ला निवासी सागर कावडे के रूप में हुई है। फिलहाल युवक की मौत के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है। प्राप्ता जानकारी के अनुसार, सागर कावडे बीती रात घर में किसी को कुछ बताने विना बाहर निकला था। इसके बाद परिजन उसकी जानकारी मिलने का इंतजार कर रहे थे। अगले दिन दोपहर में युवक का शव एक पेड़ पर फंसे लटक मिला।

GOSWWAMI FLEX PRINTING

ADVERTIZER

भिलाई में सबसे सस्ता, सबसे अच्छा

• Hoardings • Flex Banner • Vinyl Printing
• One Way Vision • Glow Sign Board

93290-13334, 74711-15735

goswamiflex@gmail.com

Address: 3d Floor Shop No-1, Arora Tower, M.C. Market

अर्चना पलाई ऐश ब्रिक्स

निर्माता एवं विक्रेता

हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, भिलाई

8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।

संपर्क करें

9329960605, 9827160605, 9098639991

Baked by Suhani

Premium Homemade Cakes & Desserts

birthday Cakes
Anniversary Cakes
Custom Theme Cakes

Serving Bhilai & Durg
@DM for Order

Followed by _s_andeep

Follow Message

Order Now:

@baked.by.suhani
MO.6263734520